डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 15 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर, गुरुवार, 06 अक्टूबर 2022

सभी सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं को विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीराम के जयकारे के साथ रावण के पुतले का दहन

जयपुर। कोरोना संक्रमण के दो वर्ष बाद बुधवार को आश्विन शुक्ल दशमी पर छत्र योग के बीच दशहरा उल्लास के साथ मनाया गया। बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पर्व पर शहर में जगह-जगह रावण दहन का आयोजन किया गया। जयपुर के विद्याधर नगर में राजस्थान के सबसे ऊंचे 120 फीट के रावण का दहन किया गया। इससे पहले भगवान राम की शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई।

आदर्श नगर में 105 फीट का रावण

आदर्श नगर दशहरा मैदान में सबसे पहले रावण दहन हुआ। इस दौरान जयश्री राम के जयकारे गूंज उठे। आतिशबाजी के बीच भयंकर गर्जना के बीच जैसे ही 105 फीट ऊंचे रावण की नाभी में बाण लगते ही रावण की आंखों से क्रोध की ज्वाला फूटने जैसा नजारा देखने को मिला। वहीं मैदान में रावण दहन से पहले 90 फीट ऊंचे कुंभकरण का पुतला फूंका गया। आदर्श नगर दशहरा मैदान में रावण दहन कार्यक्रम में सांसद रामचरण बोहरा, नगर निगम हेरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर, विधायक रफीक खान, कालीचरण सराफ, भाजपा नेता अशोक परनामी आदि मौजूद रहे।

अच्छी खबर: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज करेंगे लोकार्पण

इंतजार खत्म... पिंकसिटी को एलिवेटेड रोड की सौगात आज

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। लंबे इंतजार के बाद सोडाला से अंबेडकर सर्किल तक बनी एलिवेटेड रोड का लोकार्पण मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को करेंगे। एलिवेटेड रोड की शुरुआत से सुबह और शाम के पीक आवर में यातायात में लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। इस सड़क के खुलने से वाहन चालकों को 22 वेयरहाउस सर्किल, हवा रोड के जाम से राहत मिलेगी, वहीं सफर में समय की भी बचत होगी।

प्रदेश की सबसे लंबी दूसरी एलिवेटेड रोडः अंबेडकर सर्किल से सोडाला श्याम नगर सब्जी मंडी तक यह साढ़े तीन किमी लंबी एलिवेटेड रोड है, जबकि सोडाला तक यह 2 किमी 800 मीटर लंबी है। इस प्रकार यह राजस्थान की सबसे बड़ी दूसरी एलिवेटेड रोड है। इसमें दो सर्किल, सिविल लाइंस और बाइस गोदाम पुलिया से अंबेडकर सर्किल की ओर वाली सर्किल को हटाया गया है। इसमें आसपास की कॉलानी से आने वाले यात्रियों का ख्याल रखा गया है। रोड का एक रैंप नंदपुरी कॉलोनी से 100 मीटर पहले की ओर उतर रहा है। वैसे ही रैंप के माध्यम से नंदपुरी से सिविल लाइंस की ओर से यातायात को चढ़ाया भी गया है। अंबेडकर सर्किल से यह 100 मीटर पहले यातायात को उतारेगी। दूसरी ओर अंबेडकर सर्किल से अजमेर रोड पर जाने के लिए इसे सोडाला तिराहे पर चार नंबर डिस्पेंसरी की ओर से आने वाली एलिवेटेड रोड से जोड़ा गया है। यह जुड़ी रोड श्याम नगर सब्जी मंडी से पहले उतर रही है।

ये हैं विशेषताएं

- एलिवेटेड रोड पर चढ़ने और उतरने के लिए अलग अलग रैंप बनाए गए हैं।
- हवा से हवा में एलिवेटेड से एलिवेटेड रोड से जुड़ने वाली पहली सड़क, 25 मिनट का सफर 10 मिनट में होगा पूरा, निर्बाध यातायात की सुविधा
- नीचे की रोड और एलिवेटेड रोड पर नहीं लगेगा जाम
- वीआईपी मूवमेंट रहेगा सुरक्षित।

हवा से हवा में जुड़ने वाली पहली सड़क

अंबेडकर सर्किल से सोडाला तिराहे पर यह सड़क अजमेर रोड से हवा में ही जोड़ी गई है। चार नंबर डिस्पेंसरी की ओर से आ रही एलिवेटेड रोड पर इसका यातायात जोड़ने के लिए दोनों सड़कों को इंजीनियरों ने हवा में ही जोड़ा है। इस प्रकार अजमेर रोड पर आगे जाने वाला यातायात श्याम नगर सब्जी मंडी से पहले उतारा गया है। इससे श्याम नगर से निर्माण नगर, मानसरोवर वाया रेल नगर के निवासियों को भी सुविधा होगी।

रोज गुजरेंगे पचास हजार वाहन

अजमेर रोड के श्याम नगर सब्जी मंडी से यह रोड शुरू होकर सीधा अंबेडकर सर्किल पर उतरेगी। इससे अजमेर रोड से अंबेडकर सर्किल तक जाने वाले यातायात को सुगमता मिलेगी। यात्रियों को जाम से मुक्ति मिलेगी। सोडाला से अंबेडकर सर्किल तक यातायात की सघनता के कारण सुबह-शाम रोजाना जाम के हालात बने रहते हैं।

2019 में होना था पूरा

इसकी प्लानिंग वर्ष 2016 में बनी थी। तब इसका बजट कुल 200 करोड़ रखा था। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद कोरोना काल के कारण लगातार बाधा आती गई। जून, 2019 में इसे पूरा होना था। कार्य पूरा नहीं होने से समय मई 2020 तक बढ़ाया गया। मार्च में लाकडाऊन से काम और भी धीमा पड़ गया और बजट भी बढ़ता गया।

इन्वेस्ट राजस्थान कमीटेड डिलिवर्ड : सीएम अशोक गहलोत

इन्वेस्ट राजस्थान समिट में 10.44 लाख करोड़ के 4,192 एमओयू, LOI पर हस्ताक्षर

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 03 अक्टूबर इन्वेस्ट राजस्थान समिट-2022 के तहत जयपुर में सात और आठ अक्टूबर को होने जा रहे दो दिन के सम्मेलन से पहले राज्य में 10.44 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) और आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए।

सोमवार को हुई प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि इन्वेस्ट राजस्थान समिट 2022 का विषय 'कमिटेड डिलिवर्ड' है और इसमें देश-विदेश के लगभग 3,000 प्रतिभागी सम्मिलित होंगे।

गहलोत ने यह भी कहा कि इन्वेस्ट राजस्थान समिट से पूर्व पिछले वर्ष (2021) नवंबर से इस वर्ष सितंबर के मध्य अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, व राज्य स्तर पर रोड शो आयोजित किये थे। राज्य सरकार द्वारा 10.44 लाख करोड़ रुपये के 4,192 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन और एलओआई पर हस्ताक्षर किए गए थे और उनमें से 520 समझौता ज्ञापन / एलओआई क्रियान्वित हो चुके हैं और 1,160 क्रियान्वयन के चरणों में हैं। मुख्यमंत्री इस समिट का उद्घाटन सात अक्टूबर को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में करेंगे।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में समिट की जानकारी देते हुए गहलोत ने यह भी कहा कि दो दिन की इन्वेस्ट राजस्थान समिट के उद्घाटन सत्र के बाद पर्यटन, स्टार्टअप, एग्री बिजनेस फ्यूचर रेडी क्षेत्रों पर समानान्तर सत्र आयोजित किये जायेंगे।

उन्होंने बताया कि समिट के दौरान किसी भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे और इस दौरान जिन कुछ परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनका उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने निवेशकों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये है। सरकार ने राज्य में राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2019, हैण्डीक्राफ्ट नीति एवं एमएसएमई नीति लागू की है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उद्योगपति एल एन मित्तल, गौतम अडानी, सी के बिड़ला, अनिल अग्रवाल आदि ने समिट में भाग लेने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

दो दिवसीय समिट के पहले दिन यानी सात अक्टूबर को एनआरआई, फ्यूचर रेडी सेक्टर, स्टार्टअप, पर्यटन, एग्री बिजनेस पर समानांतर सत्र आयोजित किये जायेंगे और दूसरे दिन आठ अक्टूबर को एमएसएमई कॉन्क्लेव आयोजित की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में श्रमिक अशांति नहीं है और राज्य में औद्योगिक विकास के लिए कानून-व्यवस्था की स्थिति और वातावरण भी अनुकूल है

राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने कई क्रांतिकारी योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाना चाहिए।

गहलोत ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना के पुनरुद्धार, राजस्थान सरकार की स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस), इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, इंदिरा रसोई योजना, मुफ्त सैनिटरी पैड वितरण के लिए उड़ान योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देशभर में ऐसी योजनाओं को लागू करना चाहिए क्योंकि राजस्थान सरकार ने कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं और योजनाएं शुरू की हैं और परिणाम दुनिया के सामने मिसाल भी बने हैं।

मुख्यमंत्री ने मीडिया पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कभी-कभी मीडिया किंगमेकर की भूमिका निभाता है और पसंद-नापसंद के अनुसार समाचार चलाता है जो अंततः मीडिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है क्योंकि लोगों की सामान्य समझ असाधारण है और वे सब कुछ समझते हैं

गहलोत ने की बोर्ड ऑफ इंवेस्टमेंट की तीसरी बैठक

गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर रविवार को बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की तीसरी बैठक में कहा कि राज्य सरकार निवेश में आने वाली बाधाओं को दूर करने लिए डेडिकेटेड है। सरकार ने निवेश बढ़ाने के लिए के लिए कई महत्वपूर्ण पॉलिसी और प्रोग्राम्स को लागू किया है। राजस्थान में MSME पॉलिसी-2022, हैंडीक्राफ्ट पॉलिसी-2022 , पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2022, राजस्थान इंवेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम-RIPS -2019), राजस्थान इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट पॉलिसी-2019 और वन स्टॉप शॉप सिस्टम के माध्यम से निवेशकों को कई फैसिलिटी दी जा रही हैं।

समस्या बनती अनाज की महंगाई

सम्पादकीय

नई खाद्य आपूर्ति के बारे में सोचने का है समय

दुनिया भर में खाद्य वस्तुओं की आसमान छूती महंगाई (Inflation) के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 80 करोड़ गरीबों को राहत देने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना (PM Garib Kalyan Ann Yojna) को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है। इसके तहत प्रत्येक पात्र कार्ड धारक को हर महीने पांच किलो अनाज निःशुल्क मिलेगा। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया में फैली खाद्य महंगाई का गरीबों पर कम से कम प्रभाव पड़े। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका, पाकिस्तान, सेनेगल जैसे देश ही नहीं जापान, जर्मनी, सिंगापुर, ब्रिटेन, अमेरिका जैसे विकसित देश भी खाद्य वस्तुओं की महंगाई से परेशान हैं। महंगाई पर काबू पाने और घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकारें मौद्रिक नीतियों में बदलाव, निर्यात पर प्रतिबंध जैसे तात्कालिक उपाय कर रही हैं, लेकिन ये उपाय अपर्याप्त सिद्ध हो रहे हैं।

विश्व खाद्य कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र की अन्य चार एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 2.3 अरब लोगों को गंभीर या मध्यम स्तर तक की भुखमरी का सामना करना पड़ा। आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट, पेट्रोल, डीजल, उर्वरक और रसायन आदि के ऊंचे दाम के कारण दुनिया भर में खाद्य वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। इसकी सबसे ज्यादा मार विकासशील देशों के गरीब लोगों पर पड़ रही है। विश्वव्यापी महंगाई के लिए भले ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अनाज, उर्वरक और रसायन आदि की आपूर्ति प्रभावित होने को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, लेकिन केवल रूस-यूक्रेन युद्ध को दोष देना ठीक नहीं।

अन्न की कीमतें 2020 से ही तेजी से बढ़ रही हैं। मई 2020 से फरवरी 2022 के बीच विश्व खाद्य संगठन फूड प्राइस इंडेक्स 55.2 प्रतिशत बढ़ चुका है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से जहां एक ओर उत्पादन, परिवहन लागत बढ़ी, वहीं कोविड के कारण श्रमिकों की उपलब्धता प्रभावित हुई। 1960 के बाद खाद्यान्न उत्पादन में तेजी आई और अधिक उत्पादन एवं स्थिर मांग के कारण कीमतें लगातार नीचे आ रही थीं। इसके अतिरिक्त बफर स्टाक के कारण अकाल, युद्ध जैसी स्थितियों से आपूर्ति पर दबाव नहीं पड़ता था, लेकिन पैदावार में गिरावट और अन्न के बढ़ते गैर खाद्य उपभोग के कारण वैश्विक बफर स्टाक 2017 से ही कम हो रहा है। 2019 तक बफर स्टाक कीमतों को थामने में सफल रहा, लेकिन उसके बाद मांग और पूर्ति का संतुलन बिगड़ गया। इससे अनाज महंगे होने लगे।

चूंकि गरीब देशों के पोषण में 80 प्रतिशत योगदान अन्न का होता है इसीलिए महंगा अनाज गरीबों की समस्या बढ़ा रहा है। दुर्भाग्यवश हम पैदावार में आ रही गिरावट को रोकने और मौसम में आ रहे बदलाव के प्रबंधन में नाकाम हैं। लगातार बढ़ते तापमान के कारण बारिश का सदियों पुराना पैटर्न बदल रहा है। आज न तो समय से बारिश होती है और न ही उसकी मात्रा समान रहती है। इस साल यूरोप में भीषण सूखा पड़ा। नदियों, झीलों और जल भंडारों में पानी घट गया और कई जगह तो सूख भी गया। नदियों में जलस्तर के नीचे जाने से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई। इससे जल परिवहन के बजाय सड़क-रेल परिवहन बढ़ा, जिससे लागत बढ़ रही है। चीन की जीवन रेखा मानी जाने वाले यांगटिसीक्यांग नदी का जलस्तर सबसे निचले स्तर पर आ चुका है। इससे पेयजल, बिजली उत्पादन, सिंचाई और परिवहन गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। भारत में भी कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति है तो मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बारिश आपदा बन गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भूमि क्षरण और जलवायु परिवर्तन के कारण वर्ष 2000 से अब तक सूखे के मामले 29 प्रतिशत बढ़े हैं। सूखे से औद्योगिक गतिविधियों, बिजली उत्पादन, कृषि, विनिर्माण एवं पर्यटन प्रभावित हो रहे हैं। वनों के उन्मूलन, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों के असंतुलित इस्तेमाल से मिट्टी में कार्बन तत्व कम हो रहे हैं, जिससे पैदावार में लगातार गिरावट आ रही है।

कृषि कार्य में मशीनरी, उर्वरक, कीटनाशक, परिवहन आदि प्रतिवर्ष 17.3 अरब टन ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जित करते हैं। विश्वव्यापी प्रदूषण के एक-तिहाई के लिए आधुनिक खाद्य उत्पादन जिम्मेदार है। अब हमें नई खाद्य आपूर्ति के बारे में सोचना होगा। जलवायु परिवर्तन के कारण बदलती स्थितियों में यदि क्रांतिकारी सुधार नहीं किए गए तो आयातित खाद्य पदार्थों तक पहुंच प्रभावित होगी। यदि सरकारें खाद्य सुरक्षा देने में नाकाम रहती हैं तो उन्हें लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है, जैसा हाल में पाकिस्तान, श्रीलंका और इराक में देखने को मिला। विशेषज्ञ यह सुझाव दे रहे हैं कि खाद्य महंगाई पर काबू पाने के लिए हमें केंद्रीकृत-औद्योगिक उत्पादन तंत्र की जगह पर्यावरण अनुकूल विकेंद्रित खाद्य उत्पादन तंत्र स्थापित करना होगा। खेत में पैदा होने से लेकर थाली तक पहुंचने में खाद्य पदार्थ औसतन 1500 मील की दूरी तय करते हैं। इस क्रम में वह महंगा होता जाता है। केंद्रीकृत औद्योगिक खाद्य तंत्र में रासायनिक उर्वरक, भारी मशीनरी, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और रेफ्रिजरेशन आदि का इस्तेमाल होता है। इस तंत्र में भी खेत से लेकर थाली तक पहुंचने के क्रम में आधे खाद्य पदार्थ नष्ट हो जाते है। उनके सड़ने से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जित होती है। विकेंद्रित खाद्य तंत्र में स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाले अन्न के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों, सिंचाई की कम जरूरत पड़ती है। मोदी सरकार वर्षाधीन इलाकों में विविध फसलों वाली दूसरी हरित क्रांति लाने और स्थानीय भंडारण सुविधा सृजित करने पर काम कर रही है। इससे वैश्विक ताप वृद्धि और जलवायु परिवर्तन से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने में सहायता मिलेगी।

त्योहार की खुशियां होंगी डबल

मनी मैनेजमेंट

त्योहारों का सीजन शुरू हो गया है. मध्यमवर्गीय परिवारों में यह समय जब दिवाली बोनस की खुशी लाता है तो साथ ही खर्चे भी लेकर आता है. त्योहारों पर जितने काम, उतने ही खर्चे भी होते हैं. दिवाली का मौका होता है तो हर किसी को अपने घर-परिवार के लिए कोई-न-कोई चीज भी खरीदनी होती है. ऐसे में बचत करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, लेकिन यदि आप अपने खर्चों और पैसों का प्रबंधन सही तरह से करें तो त्योहार की खुशियों को दोगुना कर सकते हैं.

पहले अपना बजट बनाएं

त्योहार पर किसी भी तरह का खर्च करने से पहले अपना बजट जरूर बनाएं. इसके लिए एक तय अमाउंट अलग रखें और उसी के अनुसार खर्च करें. बजट बनाने से आप ओवर स्पेंडिंग से बच सकते हैं. इसके लिए अपने बजट में छोटे-से छोटा खर्च भी शामिल करें. बिना बजट बनाए किसी भी तरह का खर्च शुरू न करें.

फायदा : इससे आपको पता चल जाएगा कि आप कहां किस चीज में कितना खर्च कर रहे हैं, बजट जब लिमिट से बाहर जाए तो आप उसी समय किसी भी चीज में कटौती कर सकते हैं.

उधार से बचें

त्योहार की खुशियां मनाने के लिए पैसा उधार पर न लें. भले ही कम पैसे में त्योहार मनाएं. अपने खर्च को सीमित करना सही है, लेकिन उधार लेकर खर्च करना नहीं.

फायदा: यह आप पर फाइनेंशियल बोझ नहीं बढ़ाएगा.

बचत पहले से ही करें

यदि आपको लगता है कि दिवाली या किसी अन्य त्योहार पर आपके घर में अधिक पैसा खर्च होता है तो इसके लिए छोटी-छोटी बचत पहले से कर लें. इसके लिए आप आरडी भी करवा सकते हैं. इससे त्योहारों पर खर्च करने के लिए आपके पास एक निश्चित रकम होगी. वहीं दिवाली पर मिलने वाले बोनस को खर्च न कर आप कहीं निवेश भी कर सकते हैं. खासतौर पर इस समय प्रतिस्पर्धा से भी बचें.

फायदा : हर वर्ष इकट्ठा किया गया बोनस का पैसा या निवेश में लगा पैसा आपके भविष्य को सुरक्षित रखने में काम आएगा.

क्रेडिट कार्ड नहीं

त्योहार पर क्रेडिट कार्ड के बजाय नकद, यूपीआई या डेबिट कार्ड से खर्च करें. कई बार महिलाएं क्रेडिट कार्ड से ज्यादा खर्चा कर देती हैं.

फायदा : इससे आप अपने अनावश्यक खर्च को नियंत्रित कर पाएंगे.

देशभर में दशहरे की धूम मची है. महिलाओं की तैयारियां जोरों पर हैं. हो भी क्यों न, आखिर त्यौहार और फैशन के बीच गहरा नाता जो है. खूबसूरत दिखने के लिए तो महिलाएं कोई मौका नहीं छोड़ती हैं. लेकिन त्योहारों में आप खुद को स्टाइलिश दिखाना चाहती हैं, पर देसी स्टाइल को भी नहीं भूलना चाहतीं तो अपनाएं ये टिप्स और दिखें सबसे अलग...

दशहरे पर फैशन

डिफरेंट कलर करें ट्राई

हर बार की तरह इस साल भी लाल और मैरून रंग की साड़ी मत पहनिएगा. इस साल कुछ अलग रंग ट्राई करें. आप रॉयल ब्लू, ग्रीन या फिर पैरेट कलर की ड्रेस पहन सकती हैं. खूबसूरत ड्रेस के साथ खूबसूरत एक्सेसरीज पहनना मत भूलिएगा.

हैवी वर्क ब्लाउज

अगर आप भी त्योहार के बहाने साड़ी पहनने का मौके ढूंढती हैं तो क्यों न इस बार साड़ी को नये लुक के साथ ट्राई करें. इस बार आप शिफॉन, नेट जैसी हल्की साड़ी ट्राई कर सकती हैं. यह कैरी करने में भी आसान होती है, साथ ही आपको स्टाइलिश लुक भी देती है. एक बात का ध्यान रखना कि इसके साथ बस ब्लाउज थोड़ा हैवी वर्क वाला हो.

चिकनकारी मटेरियल

अगर आप औरों से बिल्कुल अलग दिखना चाहती हैं तो इस बार अपने लिए चिकनकारी की साड़ी चुनें. माथे पर बड़े आकार की बिंदी और हैवी ईयररिंग आपको काफी स्टाइलिश लुक देगा.

ट्रेंड में है पर्पल कलर

अगर आप कुछ नया लेने का सोच रही हैं तो आप पर्पल कलर का कुछ खरीद सकती हैं. इस समय पर्पल कलर काफी ट्रेंड में भी है.

विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना है उद्देश्य

विश्व पशु कल्याण दिवस एक अंतरराष्ट्रीय दिवस है जोकि प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को मनाया जाता है. यह दिन असीसी के सेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जोकि जानवरों के महान संरक्षक थे. इस दिवस का आयोजन 1931 ईसवी में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मेलन में इटली के शहर फ्लोरेंस में शुरू हुआ था. इस दिवस का मूल उद्देश्य विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना और मानव से उनके संबंधों को मजबूत करना था. साथ ही पशुओं के कल्याण के संदर्भ में विश्व पशु कल्याण दिवस का आयोजन करना था.

विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना, व्यक्तियों व समूह और संगठनों का समर्थन प्राप्त करना तथा जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करना है ताकि उनका जीवन सक्षम और बेहतर हो सके. इस कारण से यह दिवस "पशु प्रेमी दिवस" के रूप में जाना जाता है. यद्यपि यह विश्व भर के लोगों का जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करने का महत्वपूर्ण दिवस है, लेकिन इस दिवस के उजागर होने के पीछे भी कई कारण जिम्मेदार हैं. इन सभी तथ्यों में जानवरों के प्रति प्रकट किये जाने वाले घृणास्पद व्यवहार, आवारा कुत्तों और बिल्लियों के प्रति व्यवहार, उनका अमानवीय व्यापार आदि भी प्रमुख कारण थे. इसके अलावा किसी प्राकृतिक आपदा के समय भी इन जानवरों के प्रति दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता था और उनकी सुरक्षा के प्रति लापरवाही बरती जाती थी.

जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करते हैं जानवर

विश्व पशु कल्याण दिवस वास्तव में एक महत्वपूर्ण दिवस है. यह विविध माध्यमों से हमें कई चीजों को याद दिलाता है जिसमें जानवर हमारे जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करते हैं. इस दिन ढेर सारे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. अर्थात जैसे विश्व पशु कल्याण अभियान, पशुओं के लिए बचाव आश्रयों का उद्घाटन, और फंड जुटाने से सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन इत्यादि. इसके अलावा स्कूल और कालेजों में भी वन्य जीवों से जुडी ढेर सारी जानकारियों को टीवी और कंप्यूटर के माध्यम से साझा किया जाता है. इसके अलावा कई संगठनों के द्वारा जानवरों के लिए आश्रय के निर्माण का कार्यक्रम भी स्वयंसेवकों द्वारा प्रायोजित किया जाता है.

पशु कल्याण के लिए कानून

पशु कल्याण के लिए अनेकों कानूनों और अधिनियमों की भी व्यवस्था की गयी है. जैसे- 'पशु क्रूरता अधिनियम 1835' जोकि विश्व में जानवरों के संदर्भ में प्रथम अधिनियम है, जिसकी स्थापना ब्रिटेन में की गयी थी. इसके पश्चात 'पशु संरक्षण अधिनियम 1911' प्रकाश में आया. जिसके परिणामस्वरूप जानवरों की रक्षा के लिए 'पशु कल्याण अधिनियम, 1966' नामक अमेरिकी राष्ट्रीय कानून प्रकाश में आया. भारत में, पशुओं की सुरक्षा के लिए "जानवरों के प्रति क्रूरता की रोकथाम अधिनियम 1966' को लाया गया.

अगर आप चॉकलेट खाते हैं और इसे एक निर्धारित समय या नियमित रूप से खाते हैं और इसके बिना नहीं रह पा रहे हैं तो समझ लें कि आपकी आदत अब लत में बदल चुकी है.

रबड़-पेंसिल टेक्निक

लत से मिलेगा छुटकारा

इस तरह समझें

अगर आप रोजाना तय समय पर चाय पीते हैं और यह आपकी जरूरत बन जाए या चाय न मिलने पर सिरदर्द जैसी समस्या हो तो मान लें कि शौक में लगी आदत, लत बन चुकी है. लत खानपान की ही नहीं, कोई भी हो सकती है जैसे अपशब्द कहना, अनावश्यक फोन इस्तेमाल आदि.

गोल्डन रूल

बच्चे पेंसिल से की गई गलतियां मिटाने के लिए रबड़ का इस्तेमाल कर उन्हें सुधारते हैं, इसी तरह आप भी ऐसी लत को सुधारें. इसके लिए इच्छाशक्ति को रबड़ बनाएं और सुधार करें.

मूल्यांकन करें

रोज सुबह उठने के साथ ही खुद से लत छोड़ने और आदतें अपनाने का वादा करें. साथ ही रात के समय खुद का मूल्यांकन करें कि इस एक दिन में कहां गलतियां-कमियां रहीं. अगले दिन फिर इसी फॉर्मेट पर काम करें.

ये टिप्स आजमाएं

- खुद से बात करें व कमियां देखें.
- संकल्प लें और लत छोड़ें.
- लत को नोट करें और छोड़ने पर खुद की मार्किंग करें.
- खुद को व्यस्त रखने की पूरी कोशिश करें.
- एक्टिविटीज में शामिल हों.
- जिस चीज की लत हो, उसे खुद से दूर रखें.

गहरी दोस्ती की पहचान

भले ही सोशल मीडिया पर हमारे हजारों दोस्त हों लेकिन उनमें से कितने हैं जिन्हें आप बीमार अवस्था में अपने पास बुला पाते हैं या कितने दोस्तों को आप रात के 2 बजे भी कॉल कर अपना हाल सुना सकते हैं? लाइक, फॉलो, रीट्वीट, स्नैप के जमाने में गहरी और सच्ची दोस्ती की अवधारणा धुंधली हो गई है. एक सच्ची दोस्ती में समय, भावना, सोच, इन तीनों का निवेश होता है. ये निवेश तब काम आता है जब जीवन आगे बढ़ता है और जटिलताएं हमें घेरती जाती हैं. हम खुशी को भी उसके साथ साझा करना चाहते हैं और दुख की घड़ी में भी उसका कंधा ढूंढते हैं. जानते हैं कि हेल्दी और गहरी दोस्ती की क्या पहचान होती है.

कनेक्शन

गहरी दोस्ती में एक ऐसा कनेक्शन होता है जो दो लोगों को जीवनभर बांधे रहता है. वे दूर रहते हुए भी एक दूसरे से कनेक्टेड रहते हैं. आप जब तक अपने जीवन की छोटी-बड़ी घटनाओं को उसके साथ शेयर नहीं करते, तब तक आप रिलैक्स नहीं होते. ये गहरा कनेक्शन एक अच्छी दोस्ती की पहचान होती है.

हंसी-ठहाके

अच्छे दोस्त जब मिलते हैं तो उनकी हर बात में हंसी-ठहाका होता है. दोस्त की खिल्ली उड़ाना, पुरानी बातों को लेकर मजाक करना, एक दूसरे की बेवकूफियों को शेयर करना ये सारी बातें एक गहरे दोस्ती की पहचान हो सकती है.

इंस्पिरेशन

एक अच्छा दोस्त हमेशा अपने दोस्त के लिए मिसाल रहता है. वे न केवल हर तरह के चैलेंज को स्वीकारता है, बल्कि हर हालात से बाहर निकलने में अपने दोस्त की मदद करता है.

जरूरत पर मौजूद होना

जब भी आपको उसकी जरूरत होती है, आप उसे अपने पीछे पाते हैं. इसके लिए आपको उन्हें बुलाने की भी जरूरत नहीं पड़ती. सुख और दुख की हर खड़ी में वे आपके आसपास मिल जाते हैं.

फेस्टिवल सीजन में करें लुमिनस मेकअप

फेस्टिव सीजन में घर पर बहुत काम होता है, जिसकी वजन से पार्लर जाकर तैयार होना मुश्किल होता है. ऐसे में आप घर में खुद मेकअप कर दूसरों से अलग दिख सकती हैं. जानते हैं त्योहार के अवसर पर फेस्टिव लुक पाने के लिए लुमिनस प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कैसे करें.

स्टेप- 1

मेकअप करने के लिए क्लींजर से अपना चेहरा साफ करें. इसके बाद चेहरे पर प्राइमर या फिर मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करें. इससे मेकअप चेहरे पर अच्छी तरह सेट हो जाएगा. साथ ही चेहरे पर ग्लो आएगा. ग्लोइंग मेकअप के लिए फेस पर मॉयस्चराइजर जरूर लगाएं.

स्टेप- 2

मेकअप करने के लिए चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं. फाउंडेशन लगाने से फेस को स्मूथ बेस मिलेगा. हमेशा अपनी स्किन टोन से एक शेड या दो शेड डार्कर फाउंडेशन अप्लाई करें.

स्टेप- 3

अगर आपके चेहरे पर दाग-धब्बे और पिंपल्स हैं, तो आप कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं. चेहरे पर कंसीलर लगाने से डार्क सर्कल और दाग छिप जाते हैं.

स्टेप- 4

चेहरे पर कंसीलर और फाउंडेशन का बेस लगाने के बाद आई मेकअप करें. इसके लिए आप अपना मनपसंद आईशैडो लगाएं. आईशैडो लगाने के बाद काजल लगाएं. अब मस्कारा लगाकर आई मेकअप कंप्लीट करें.

स्टेप- 5

आई मेकअप के बाद आप चीकबोन्स पर पिंक कलर का ब्लशर लगाएं. इसके बाद नाक के ऊपर और चीक बोन्स पर हाइलाइटर लगाएं.

स्टेप- 6

मेकअप को कंप्लीट करने के लिए लिपस्टिक लगाएं. फेस्टिव सीजन में आप पिंक शेड का इस्तेमाल कर सकती हैं.

एक नज़र

जीकेसी कायस्थ सभा के सदस्यों ने लालबहादुर शास्त्री कॉलेज राजापार्क के साथ मनाई शास्त्री व गाँधी जयंती

हिलव्यू समाचार

जयपुर। महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर जीकेसी कायस्थ सभा जयपुर की टीम ने लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के साथ शास्त्री व गाँधी जयंती मनाई। सबसे पहले सद्भावना प्रार्थना हुई। कार्यक्रम में डॉ राजीव सक्सेना ने बौद्धिक भाषण दिया व रोशन सक्सेना ने जीकेसी के बारे में एलबीएस कॉलेज व अन्य सभी उपस्थित आगंतुकों को बताया। एलबीएस प्राचार्य मुदित गुप्ता ने अपने सहयोगी व्याख्याताओं के साथ सभी का आभार अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ राजीव सक्सेना, रचना सक्सेना व पुत्र,सपना वर्मा,मनोज माथुर,रोशन सक्सेना, विनीता सक्सेना,अंकित सक्सेना , अल्पना माथुर ,शालिनी श्रीवास्तव , विजेता सिन्हा , परबेन्द्र सिन्हा , आराध्य , दीपक सक्सेना व रोशन माथुर ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

भील छात्रावास के लिए 10 लाख रु. देने की घोषणा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अल्पसंख्यक मामलात मंत्री सालेह मोहम्मद बुधवार को जैसलमेर के पोकरण विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने नाचना में भील समाज की ओर से आयोजित राणा पूंजा भील जयंती के कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि भीलों के उत्थान एवं विकास के लिए सरकार ने जनजाति क्षेत्र में आवासीय विद्यालय, अलग से छात्रावास, स्कॉलरशिप सहित विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की हैं। इतना ही नहीं प्रदेश की विभिन्न समुदाय की मेधावी बालिकाओं के लिए काली बाई भील के नाम से स्कूटी योजना संचालित की जा रही है। मंत्री ने नाचना में भील समाज के छात्रावास के लिए अपने विधायक निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की।

स्वर्गीय रत्नदेवी सक्सेना की स्मृति में आयोजित हुआ 'माँ का आँचल' स्मृति समारोह

पिछले 06 वर्ष से माँ की स्मृति में यह आयोजन लगातार आयोजित कर रहे हैं दूरदर्शन प्रोड्यूसर राजकिशोर सक्सेना

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 28 सितम्बर को स्वर्गीय रत्न सक्सेना जी की मधुर स्मृति में 'माँ का आँचल' 'माँ एक एहसास',एक शाम माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन दूरदर्शन प्रोड्यूसर राजकिशोर सक्सेना द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें सभी अतिथि मुख्य अतिथि स्वरूप ही आमंत्रित किए गए। यह कार्यक्रम 06 वर्षों से निर्बाध गति से आयोजित किया जा रहा है। कॉविड के दौरान भी इसे वर्चुअली आयोजित किया गया। राजकिशोर सक्सेना ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम में माँ से जुड़े अनुभव, किस्से, संस्मरण, रोचक घटनाओं, गीत संगीत ग़ज़ल को ओपन माइक के माध्यम से साँझा किया गया। विश्वास जैन सीईजी चेयरमेन,लक्ष्मण व्यास निदेशक दूरदर्शन, पाथेय भवन से माणक, रिज़वान एजाजी, ज्योत्स्ना सक्सेना, राधिका, तरुण व्यास, शालिनी श्रीवास्तव,राधिका गौतम ,बबिता प्रधान,उर्वशी ठाकुर ने भी अपनी प्रस्तुतियाँ देकर माँ को नमन किया। प्रसिद्ध वायलन वादक गुलज़ार हुसैन एवं प्रसिद्ध तबला वादक मेहराज हुसैन सहित ग़ुलाम फरीद गिटारिस्ट बिलाल हुसैन की बोर्ड मास्टर सुभाष चंद कठारिया के साथ सिंगर सुमंत मुखर्जी (सारेगामाफेम), संगीता शर्मा और रश्मि बालोदिया ने मधुर स्वर लहरियाँ बिखेर कर माहौल को भावुक बना दिया।

इस दौरान राजकिशोर सक्सेना ने अपनी पत्नी आरती के साथ सभी आगंतुकों अथितियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण रतनदेवी सक्सेना जी की पोतियों मीत सक्सेना,त्रिनिका सक्सेना व अंकिता सक्सेना ने दिया दादी के साथ गुज़ारे हुए पलों को याद कर वे भावुक हो गयीं। इससे पूर्व तीनों पोतियों ने ईश वंदना पर नृत्य की प्रस्तुति भी दी। राजकिशोर सक्सेना के पिताजी कौशल किशोर सक्सेना व भाई महाराज किशोर सक्सेना ने सभी आंगतुकों का आभार अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रसिद्ध एंकर कुलदीप गुप्ता ने किया।

गांधी आश्रम 8 को पहुंचेगी यात्रा

गुजरात में सौ किलोमीटर पैदल चले बेरोजगार युवा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के युवा बेरोजगार कांग्रेस सरकार से रोजगार की मांग को लेकर गुजरात में दांडी यात्रा निकाल रहे हैं। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले 2 अक्टूबर को गुजरात के पालनपुर से शुरू हुई यह यात्रा 8 अक्टूबर को अहमदाबाद स्थित गांधी आश्रम पहुंचेगी। हजारों युवाओं ने गुजरात में कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। यात्रा में कई युवा महात्मा गांधी के वेश में भी चल रहे हैं। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि राजस्थान में अनेक भर्तियां अटकी पड़ी हैं। बेरोजगार युवक लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, कांग्रेस सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही। ऐसे में शांतिपूर्ण दांडी यात्रा निकालकर मुख्यमंत्री को जगाने का काम कर रहे है। उपेन यादव ने कहा कि सरकारने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया।

ललित कला अकादमी एवं वसुधा जनविकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान से हुआ "हर मन गाँधी" का आयोजन

दो दिवसीय प्रोग्राम के पहले दिन हुआ अहिंसा कला और गाँधी पर टॉक शो का आयोजन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ललित कला अकादमी और एनजीओ वसुधा जन विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान से अकादमी परिसर में टॉक शो का आयोजन हुआ। गाँधी जयंती के अवसर पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम का विषय "हर मन गाँधी" रहा। जिसमें शहर के 100 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया। कला और कलाकार गाँधी के सिद्धांत पर चलते हुए किस प्रकार के बदलाव ला सकते हैं इस विषय पर गहन चर्चा हुई।अलग अलग फ़ील्ड से आए हुए कलाकारों ने कहा कि गाँधी जी से बड़ा कलाकार इस दुनियाँ में कोई नहीं है।वे सादगी से करोड़ों लोगों को जोड़ने की क्षमता रखते थे।आज के दौर में दुनिया जब युद्ध हो रहे हैं और हथियार युवा पीढ़ी के आदर्श बन रहें हैं ऐसे में गाँधी विजन ही संसार को मानसिक तनाव से बचा सकता है।ललित कला अकादमी के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास ने बताया कि यहाँ पर कलाकारों को बातचीत का खुला मंच दिया गया। महिला कलाकारों ने ज़ोर देते हुआ कहा की हर औरत जैसे कृष्ण भगवान या राम की कहानियाँ अपने बच्चे को सुनाती है उसी प्रकार गाँधी जी के अहिंसा के और त्याग के क़िस्से बच्चों को सुनाए ताकि गाँधी बचपन में ही लोगों के व्यवहार में उतर जाएँ तो दुनिया की तस्वीर बिल्कुल अलग होगी

वसुधा जन विकास संस्थान की फाउंडर मोना शर्मा ने बताया कि टॉक शो में ललित कला अकादमी के अध्यक्ष लक्ष्मण व्यास के साथ अल्प संख्यक आयोग के सदस्य हरदीप सिंह चहल , राजस्थानी सिनेमा के हीरो श्रवन सागर , श्री कृष्ण महर्षि , सोनी महर्षि , लोकेश जैन , सुरेन्द्र सोनी , रुचि ,चंद्र शेखर सैन, डॉक्टर अनुपमा जैन , जय शंकर शर्मा , डॉक्टर शकुंतला महावर, रेखा अग्रवाल , गीता यादव , रूची दीक्षित , कमलेश सोनी, शालिनी श्रीवास्तव , कुलदीप गुप्ता , लखन सिंह , जोयत्सना शर्मा , मोनिका शर्मा , नीरज शेखावत , रीति निखि मिनी शर्मा , सुधीर शर्मा , संजय कुमार सोनी , फ़राह खान, निरंजन जयसवाल , पुरखा राम , निकिता वर्मा , और पूजा भारद्वाज ने चर्चा की।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

विकास के पथ पर सुगम सफर

एल.आई.सी. भवन से सोडाला जंक्शन तक

एलिवेटेड रोड का लोकार्पण

एवं

222 करोड़ की 6 परियोजनाओं

- राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर परिसर में गेस्ट हाउस निर्माण
- सांझरिया (संकल्प नगर) में 43 एमएलडी एसटीपी का निर्माण
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 600-900 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- पृथ्वीराज नगर (उत्तर) हेतु 1200 एमएम व्यास की मुख्य ट्रंक लाईन का कार्य
- वन्देमातरम रोड से मुहाना मण्डी रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य
- लुनियावास से गोनेर रोड तक मास्टर ड्रेनेज का मुख्य कार्य

का शिलान्यास

लागत: 250 करोड़ रुपए | कुल लम्बाई: 4.6 कि.मी.

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान के
कर-कमलों द्वारा

श्री शान्ति धारीवाल
मंत्री, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन विभाग, राजस्थान की
अध्यक्षता में किया जाएगा

दिनांक: 06 अक्टूबर, 2022 | समय: सायं 6.00 बजे | स्थान: कर भवन परिसर, जनपथ, जयपुर

इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण https://www.facebook.com/AshokGehlot.Rajasthan और https://www.youtube.com/user/GehlotAshok पर किया जाएगा।

जयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान संवाद

मूर्ति विसर्जन के दौरान प्रदेश के तीन जिलों में हुए दर्दनाक हादसे

डूबने से दस युवकों की मौत

हिलव्यू समाचार
अजमेर/चित्तौड़गढ़/धौलपुर। प्रदेश के तीन जिलों में बुधवार को विजयदशमी पर मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने से दस लोगों की मौत गई। अजमेर के नसीराबाद स्थित नांदला इलाके में मूर्ति विसर्जन के दौरान बारिश के पानी से भरी खाई में डूबने से छह जनों की मृत्यु हो गई। वहीं चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में भी मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने से तीन लोगों की जान चली गई। धौलपुर में बसेड़ी क्षेत्र के अंगदपुरा गांव में भी पार्वती नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। अजमेर जिले में मूर्ति विसर्जन के दौरान 6 युवकों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में चाचा-भतीजा भी शामिल हैं। एक युवक का पैर फिसला था। उसे बचाने के लिए एक-एक कर 5 और युवक पानी में उतरे और सभी डूब गए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि घटना नसीराबाद सदर थाने के नांदला गांव में उस समय हुई जब युवक बारिश के पानी से भरी खाई में मूर्ति विसर्जन के लिए गए थे। सरपंच मानसिंह रावत ने बताया कि मूर्ति विसर्जन के लिए नंदा जी की ढाणी से 25 ग्रामीण बुधवार अपराह्न करीब 3.30 बजे नांदला के पास पानी से भरे गड्ढे पर पहुंचे थे। विसर्जन के दौरान मूर्ति को पानी के बीच धकेलने की कोशिश में एक युवक का पैर फिसल गया। इसे बचाने के चक्कर में 5 और की जान चली गई।

इन युवकों की थम गई सांसें

नांदला, नंदाजी की ढाणी निवासी पवन पुत्र मोहन रेगर (35), राहुल पुत्र छीतरमल मेघवंशी (25), राहुल पुत्र कैलाश रेगर (25), गाड़ी मोहल्ला, नसीराबाद सिटी निवासी लकी पुत्र शंकर बैरवा (20), गजेन्द्र पुत्र बाबूलाल रेगर (25), शंकर पुत्र बाबूलाल (25)। राहुल (भतीजा) और पवन (चाचा) रिश्तेदार हैं। पवन ड्राइवर है। वहीं, राहुल 12वीं में पढ़ता है।

साथी को बचाने में गई तीनों की जान

चित्तौड़गढ़। निम्बाहेड़ा में बुधवार शाम मूर्ति विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। गांव कचरिया खेड़ी की खदान में 3 युवक मूर्ति विसर्जन करने गए थे। इसी दौरान एक युवक का पैर फिसल गया। पास खड़े दो युवकों ने बचाने की कोशिश तो वो दोनों भी पानी में डूब गए। पानी में डूबने से तीनों की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों को निम्बाहेड़ा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों की शिनाख्त विमल मेघवाल, राजेश मेघवाल व सोनू के रूप में हुई है।

पार्वती नदी में डूबा युवक

धौलपुर। बसेड़ी क्षेत्र के गांव अंगद का पुरा में मूर्ति विसर्जन के दौरान 18 वर्षीय युवक की पार्वती नदी में डूबने से मौत हो गई। बसेड़ी थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। जानकारी के अनुसार युवक शिवराज पुत्र वीरेंद्र सिंह मूर्ति विसर्जन के दौरान गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई।

पानी निकासी के लिए धरना 42वें दिन भी जारी

हिलव्यू समाचार
सीकर। सड़क पर जलभराव की समस्या को लेकर नवलगढ़ रोड जल निकासी संघर्ष समिति सीकर के तत्वावधान में मंगलवार को नवलगढ़ पुलिया के पास बयालीसवें दिन भी धरना जारी रहा। धरना स्थल पर महिलाओं ने नवरात्र के नौवें दिन दुर्गा माता की आरती कर भजन गाए। पानी की निकासी शुरू करवाने के लिए मंगलवार को भी महिलाओं ने धरने पर मोर्चा संभाला। यहां 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला नारायणी मील ने भी भूख हड़ताल कर पानी निकासी का कार्य शुरू करवाने की मांग की। नारायणी मील की अगुवाई में अन्य बुजुर्ग विमला शर्मा (75), रामदेवी कुमावत (62) व पतासी कुमावत (60) ने भी धरना स्थल पर क्रमिक भूख हड़ताल रखी। बुजुर्ग महिलाओं ने कहा कि जब तक पानी निकासी का कार्य शुरू नहीं हो जाता, धरने पर डटे रहेंगे।

धरने में संगीता सुंडा, परमेश्वरी देवी, गीता शर्मा, बेबी शर्मा, भंवरी कुमावत, बसंती फगेड़िया, प्रियंका शर्मा, पूनम कुमावत, भंवरी जांगिड़, सीता महला, विमला चौहान, संतोष जांगिड़, बसंती देवी, पार्षद विजयपाल सिंह काजला, मानव सेवा संस्थान अध्यक्ष भंवरलाल जांगिड़, खुमान सिंह, महावीर प्रसाद सुंडा, सुरेंद्र सिंह कुड़ी मोहल्लेवासियों ने भाग लेकर आक्रोश जताया।

हैवानियत: मृतका के पिता ने दी आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट

नाबालिग बालिका से सामूहिक दुष्कर्म, पोखर में मिला शव

हिलव्यू समाचार
धौलपुर। राजाखेड़ा के दिहोली थाना क्षेत्र के मछरिया गांव में मंगलवार सुबह एक तालाब में बालिका का शव मिलने से सनसनी फैल गई। दिहोली पुलिस ने शव को निकाल कर अपने कब्जे में लिया और राजाखेड़ा अस्पताल लाए। मृतका के पिता ने बालिका से सामूहिक दुष्कर्म कर अगवा करने की रिपोर्ट थाने में दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मछरिया गांव निवासी एक व्यक्ति ने बताया है कि सोमवार रात 12 बजे वह अपने खेत से घर आया तो उसकी पुत्री नहीं मिली। जब खेत पर गया था तो पीछे से सौरव पुत्र रामरूप, गौरव पुत्र रामरूप, जुगनू, जैकी पुत्र मुकेश, मनीष पुत्र दिनेश जाटव निवासी मछरिया एवं सूरज जाटव निवासी बगचौली खार व अन्य ने उसकी 17 वर्षीय पुत्री से सामूहिक दुष्कर्म किया और अगवा कर ले गए। इस दौरान आरोपी सौरव का फोन उसके कमरे में मिला। सौरव मोबाइल फोन लेने वापस घर आया तो उसे पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। इस पर मौके पर पहुंच पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया।

महिला श्रमिक से किया गैंगरेप

अलवर। जिले में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। हाल ही में किशनगढ़बास थाना क्षेत्र में 8वीं कक्षा की छात्रा से गैंगरेप के बाद जिले के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में भी रेप का मामला सामने आया, जहां किराए पर रह रही एक महिला श्रमिक से दो आरोपियों ने गैंगरेप किया। अलवर के उद्योग नगर थाना क्षेत्र में किराए पर रह रही एक श्रमिक महिला ने दो जनों पर दुष्कर्म कर अश्लील फोटो खींच ब्लैकमेल करने व जान से मारने का आरोप लगाया है। इस संबंध में महिला ने उद्योग नगर थाना क्षेत्र में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला ने बताया कि वो लक्ष्मणगढ़ थाना इलाके की रहने वाली है। महिला ने रिपोर्ट में बताया कि बेलदारी का काम करने के लिए भागचंद के साथ करीब डेढ़ महीने से काम करने जाती थी। इस दौरान भागचंद और उसका भांजा मनीष उसे जबरदस्ती अपने रूम पर ले जाते और कई बार दुष्कर्म किया।

मूक-बधिर को बनाया हवस का शिकार

अलवर। नौगावां थाना क्षेत्र में एक मूक-बधिर बालिका के साथ 60 साल के बुजुर्ग ने दुष्कर्म कर हैवानियत की हदें पार कर दी। नौगावां थाना क्षेत्र की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसकी पुत्री मंदबुद्धि है, ना तो वह सुन सकती है ना ही बोल सकती है। 2 अक्टूबर को करीब दोपहर 12 से 1 बजे के बीच में वह अपनी पुत्री को घर पर अकेला छोड़ कर खेतों पर काम करने चली गई। शाम को 5 बजे जब वह घर वापस आई तो उसने देखा कि उसकी पुत्री ने उल्टा नेकर पहना हुआ था। जिस पर उसे कुछ शक हुआ तो उसने पड़ोसी से पूछताछ की। पड़ोसियों ने बताया कि बोड सिंह पुत्र भाग सिंह राजपूत उनके घर आया था। इस व्यक्ति ने उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया है। महिला ने नौगावां थाना में दुष्कर्मी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने पीड़िता का नौगावां सरकारी अस्पताल में मेडिकल कराया है।

60 हजार रुपए, सोने की चेन, सोने की अंगूठी, चांदी की पायल चुरा ले गए आरोपी

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि सौरव व अन्य आरोपी उसके घर में भैंस खरीदने के लिए रखे 60 हजार रुपए, सोने की चेन, सोने की अंगूठी, चांदी की पायल आदि भी चुरा ले गए। वहीं मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे कुछ लोगों ने सूचना दी कि उसकी पुत्री मछरिया गांव से 1 किलोमीटर दूर स्थित पोखर में है तो परिवार के लोग पोखर पर पहुंचे और पुत्री को पोखर से बाहर निकाला। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची, जिसके बाद बेटी को अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

एक नज़र

राजस्थानी कॉमेडी फिल्म "मजो आ गयो" 7 अक्टूबर से सिनेमाघरों में होगी रीलीज

■ कोटा के स्थानीय सिनेमाघर में किया पोस्टर विमोचन
■ लम्बे अरसे के बाद कोई राजस्थानी फिल्म बड़े पर्दे पर

असलम रोमी
कोटा (हिलव्यू समाचार)। लंबे अरसे के बाद राजस्थानी सिनेमा में धूम मचाने फिल्म 'मजा आ गयो' आ रही है। जिसके निमार्ता नंदकिशोर मित्तल एवं लेखक निर्देशक लखविंदर जे सिंह हैं। इस फिल्म के मुख्य अभिनेता राजस्थान के चर्चित हास्य कलाकार दीपक मीणा उर्फ पन्या सेपट है जो कि राजस्थान की हर वर्ग की जनता के चहेते कलाकार हैं। फिल्म के अधिकांश किरदार भी राजस्थान से ही हैं।फिल्म का निर्माण भी राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया है।कलाकारों में पंया सेपट के साथ पवन शर्मा, निशांत वर्मा, शकूर ख़ान, सुरेश चौहान,वक़ार अहमद, सिकंदर चौहान, दीप्ति धोत्रो, नीलम टिकवानी, नेहा सिंह, राकेश शर्मा, नीलम पंवार मोनिका रावन है तथा मेहमान भूमिका में नेहा भी दिखाई देंगी।

फिल्म को कोटा के अतिरिक्त राजस्थान के अन्य जिलों में भी रिलीज किया जा रहा है। 7 अक्टूबर से यह फ़िल्म सिनेमाघरों में दिखाई देगी। गत शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में फिल्म के हीरो पन्या सेपट ने बताया कि राजस्थान में लंबे समय बाद कोई राजस्थानी फिल्म आ रही है, ऐसे में उन्हें इस फिल्म से उम्मीद है कि यदि यह चलती है तो बड़ी बात होगी कि राजस्थान भी अन्य प्रदेशों की तरह होगा जहाँ लोगों को रोज़गार मिलेगा। इसके लिए महत्ती जरूरत है कि लोग इस फिल्म को देखें।लोग सिनेमा हॉल तक पहुंचे और राजस्थान के कलाकारों का गौरव मान सम्मान व हौसला बढ़ाएं ताकि फिल्म इंडस्ट्री भी राष्ट्रीय स्तर पर मुक़ाम हासिल कर सके। कोविड के 2 साल के बडे अंतराल के बाद अब कोई राजस्थानी फिल्म आई है।कोटा के स्थानीय सिनेमाघर में फिल्म के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संदीप शर्मा, नागरिक सहकारी बैंक के चेयरमैन राजेश बिरला, प्रधान नइमुद्दीन गुड्डू, नरेन्द्र मीणा उपस्थिति रहे जिन्होंने राजस्थानी फिल्म के सुपरहिट होने की शुभकामनाएँ दीं।

अनियंत्रित होकर कार पलटी, पांच जने हुए घायल

धौलपुर। सरमथुरा उपखंड में नेशनल हाईवे संख्या 11 बी आंगई बाईपास पर एक तेज रफ्तार सवारियों से भरी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार 5 जने गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों की मदद से सरमथुरा अस्पताल में भर्ती कराया गया। कार चालक नशे की हालत में था, जिससे यह हादसा हुआ। कार सवार घायल सपना पत्नी दीवान सिंह निवासी पिनाहट, उत्तर प्रदेश ने बताया कि उनका परिवार केलादेवी में माता मंदिर से दर्शन कर आगरा वापस लौट रहा था। हादसे में कार सवार सूरज जाटव, बॉबी जाटव, पिंटू सिंह, शिवानी पुत्री रामरतन एवं सपना पत्नी दीवान सिंह घायल हो गए।

जिला टास्क फोर्स बैठक

लिंगानुपात में सुधार से लेकर नवाचार से हुए बदलाव को सराहा

हिलव्यू समाचार
टोंक। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, जिला महिला समाधान समिति, बाल विवाह रोकथाम व उड़ान योजना के अंतर्गत महिला अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्य कार्यकारी अधिकारी देशलदान की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया।

बैठक में महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक मेरिंगटन सोनी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उड़ान, इंदिरा महिला शक्ति, सखी सेंटर व अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टोंक जिले के लिंगानुपात में लगातार सुधार हो रहा है और इस वर्ष ये 959 तक पहुंच गया है। इसके उपरांत उन्होंने जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के वानी नवाचार के बारे में जानकारी दी। सोनी ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित आवासीय छात्रावासों में लाइब्रेरी के लिए किताबें विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई गई हैं। साथ ही छात्रावासों व राजकीय विद्यालयों में सेनेटरी पैड डिस्पोजल मशीन भी उपलब्ध गई है।

कौशल शिविरों के आयोजन के निर्देश

बैठक में उपस्थित सभी विभागीय पर्यवेक्षकों को ग्राम साथिनों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की क्रियान्विति करने तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता द्वारा संचालित छात्रावासों व केजीबी विद्यालयों की छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण एवं अन्य कौशल शिविरों के आयोजन कराने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग से उपस्थित प्रतिनिधि को 10वीं और 12वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 25-25 बालिकाओं की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

ग्राम स्तर तक दी जाए जानकारी

एक्शन एड यूनिसेफ जोनल कॉर्डिनेटर जहीर आलम ने शिक्षा सेतु योजना, बाल विवाह रोकथाम, यस-टू-स्कूल व छात्रवृत्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए बाल विवाह रोकथाम का वार्षिक कैलेंडर प्रस्तुत किया। सीईओ देशलदान ने अब तक किए कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें अन्य विभागों के साथ समन्वय करते हुए कार्य करना होगा। इन गतिविधियों को ग्राम स्तर तक लेकर जाना होगा, जिससे लोगों को योजनाओं की जानकारी मिले। साथ ही बाल विवाह, लिंग आधारित भेदभाव, बाल श्रम जैसी बुराइयों की रोकथाम में सहयोग कर सकें। उड़ान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इंदिरा महिला शक्ति केंद्र की टीम द्वारा गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक राजेंद्र सिंह गुर्जर, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान, प्रभारी एएचटीयू ब्रज मोहन, स्वास्थ्य विभाग से अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल, सीडीपीओ संगीता दीपक, श्रम विभाग से रेणु पंडिवाल, शिक्षा विभाग से आबेदा कैफी, शिव शिक्षा समिति से पूनम जोनवाल व निसार अहमद, सखी केंद्र काउंसलर अनिला उस्मानी, पर्यवेक्षक सुमित्रा चौधरी, प्रियंका, मीरा चौधरी, प्रज्ञा मोटवानी, चंद्रा जोशी, एक्शन एड वॉलंटियर मोहम्मद ज़हूर खान आदि उपस्थित रहे।

एक नज़र

दबंगई: रॉयल्टी कर्मचारियों ने दुकान में फेंके पत्थर, युवक से मारपीट

निवाई CO व SHO सदर निवाई को किया सस्पेंड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। हाडी खुर्द में बुधवार सुबह 9 बजे रॉयल्टी कर्मचारियों ने एक दुकान में तोड़-फोड़ कर दी तथा दुकान के बाहर खड़े व्यक्ति से मारपीट की। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने सुबह 10 बजे बाद सोहेला-डिग्गी स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना पर बरौनी, पीपलू डिप्टी एवं पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीण रॉयल्टी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे। करीब 12.30 बजे सीओ रूद्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने ग्रामीणों को लाठियां भांज खदेड़ दिया। इस दौरान लोगों से बदसलूकी भी की गई। वहां पहुंचे पूर्व जिला प्रमुख रामबिलास चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। हाडी खुर्द में जयनारायण की दुकान में रॉयल्टी कर्मचारियों ने तोड़-फोड़ की तथा सुरमा कीर से मारपीट की। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूर्व जिला प्रमुख से बदसलूकी के मामले में निवाई सीओ रूद्र प्रताप शर्मा व सदर निवाई एसएचओ आशुसिंह गुर्जर को सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की जांच अब अजमेर आईजी रुपिंदर सिंह करेंगे।

> हाडी खुर्द में अवैध बजरी का काम करने वाले दो पक्षों में लड़ाई झगड़ा हुआ था, जिसके चोट आई, उस पक्ष के लोगों ने स्टेट हाइवे जाम कर दिया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पीपलू, निवाई दोनों ही सर्किल का जाप्ता मौके पर पहुंचा। जाम लगा रहे लोगों से समझाइश की। नहीं मानने पर सख्ती बरतते हुए जाम हटवाया। मौके पर पहुंचे पूर्व जिला प्रमुख फिर से भीड़ को उकसाने का कार्य करने लगे, जिसके चलते उन्हें गाड़ी में बैठाकर दूर ले जाकर छोड़ दिया था। इसके बाद मौके पर शांति है।
>
> **-रूद्रप्रकाश शर्मा,** डिप्टी निवाई

> पुलिस बजरी माफिया, रॉयल्टी कर्मचारियों को संरक्षण दे रही है। पुलिस को मारपीट के आरोपियों पर कार्रवाई करनी थी, लेकिन ग्रामीणों पर लाठीचार्ज कर दिया। मुझे गिरफ्तार कर लिया। एसपी को गिरफ्तारी की जानकारी मिली तो मुझे छोड़ दिया। इस मामले की वह मुख्यमंत्री से मिलकर शिकायत करेंगे।
>
> **-रामबिलास चौधरी,** पूर्व जिला प्रमुख

मुख्यमंत्री ने शासन सचिवालय में की बजट घोषणाओं को लेकर समीक्षा बैठक

जनकल्याणकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर पूरे देश में सराहनाः CM गहलोत

- 4 साल की बजट घोषणाओं में से 89 प्रतिशत की स्वीकृतियां जारी
- लगभग 76 प्रतिशत घोषणाओं में क्रियान्विति पूर्ण और प्रगतिरत
- आगामी बजट युवाओं और विद्यार्थियों के लिए केन्द्रित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अषोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और बजट घोषणाओं की क्रियान्विति से पूरे देश में एक सकारात्मक छवि बनी है और इनकी व्यापक सराहना हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करती मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना, राज्य कर्मचारियों के लिए मानवीय दृष्टिकोण से लागू की गई ओल्ड पेंशन स्कीम और इन्दिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं से हर वर्ग के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है।

गहलोत मंगलवार को शासन सचिवालय में बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न विभागों के सचिवों से घोषणाओं के क्रियान्वयन, धरातल पर स्थिति और आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुशासन राज्य सरकार का मुख्य ध्येय रहा है। राज्य सरकार ने तमाम चुनौतियों के बावजूद जनकल्याणकारी फैसले लेकर उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 4 वर्ष की 2722 बजट घोषणाओं में 2429 (89 प्रतिशत) के लिए स्वीकृतियां जारी हो चुकी है। वहीं, 2067 (76 प्रतिशत) घोषणाओं को क्रियान्वित किया है। उन्होंने अधिकारियों को शेष घोषणाओं को भी जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे, इसके लिए इनका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आमजन से फीडबैक लेकर और बेहतर तरीके से उन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। श्री गहलोत ने अधिकारियों को विभागों द्वारा लंबित स्वीकृतियों को जारी करने एवं कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी कहा।

गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना, चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, ओपीएस, आरजीएचएस, 50 यूनिट तक बिजली निःशुल्क, मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना, राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का आयोजन, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, ईआरसीपी निगम का गठन, राज्य महिला नीति-2021, सिलिकोसिस नीति, हस्तशिल्प नीति, औद्योगिक विकास नीति, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना और लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना जैसी योजनाओं से राजस्थान के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 सितंबर 2022 से शुरू इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में अभी तक लगभग 70 हजार लोगों को रोजगार मिल चुका है। प्रदेश में 870 इंदिरा रसोई का संचालन शुरू हो चुका है। इसके साथ ही 1645 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, 211 नवीन राजकीय महाविद्यालय, जिनमें से 94 कन्या महाविद्यालय खोले गए हैं। वहीं, 4441 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च माध्यमिक में क्रमोन्नत कर और 42 नवीन कृषि महाविद्यालय खोल कर विद्यार्थियों को नजदीक ही पढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली, सड़क और सामाजिक सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में बड़े स्तर पर सड़कों का विकास हुआ है, जिससे औद्योगिक प्रगति और बढ़ेगी। श्री गहलोत ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दीपावली से पहले सड़कों के पेचवर्क पूर्ण कराने और क्वालिटी कंट्रोल विंग को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कृषि व किसान संबंधित योजनाओं का अधिक प्रचार करने, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार करने, शीघ्र अंग्रेजी शिक्षक की नियुक्तियां करने, सड़क दुर्घटना रोकने के बेहतर उपाय करने के निर्देश दिए।

गहलोत ने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से अंतिम छोर पर बैठा व्यक्ति लाभान्वित हो रहा है। राज्य को आगे बढ़ाने और सुशासन का संकल्प साकार करने में अधिकारियों ने पूरे समर्पण भाव से कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को पूरा करने के लिए सभी विभाग पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पहली बार अलग कृषि बजट प्रस्तुत किया। इसी तरह आगामी बजट युवाओं और विद्यार्थियों के लिए केन्द्रित रहेगा। इसलिए सभी विभाग युवा केन्द्रित योजनाओं, प्रयासों और अन्य राज्य एवं देशों में युवाओं के लिए हो रहे कार्यों का अध्ययन कर सुझाव भेजें ताकि युवाओं के हितार्थ राजस्थान पूरे देश में मॉडल स्टेट बन सके।

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति, नवाचारों और उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सभी अधिकारी-कर्मचारी संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। इसी से ही जनहितार्थ फैसलों को लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़े हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी घोषणाओं को जल्द ही धरातल पर उतारा जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की प्रगति और आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

सोनिया राहुल की मुलाकात से निकलेगी राजस्थान के सियासी संकट की राह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में छाए सियासी संकट का हल अब कर्नाटक से होने के आसार है। सोनिया गांधी कर्नाटक पहुंच गई है। राहुल गांधी से मुलाकात होने की संभावना है। चर्चा है कि दोनों के बीच विभिन्न मुद्दों समेत राजस्थान को लेकर भी चर्चा हो सकती है। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी कर्नाटक पहुंच गए है। आपको बता दें सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए सोनिया गांधी कर्नाटक के मैसूर पहुंचीं है। सोनिया गांधी का यहां करीब 4 दिन ठहरने का कार्यक्रम है। राजस्थान में मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस को फैसला करना है, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा के चलते केसी वेणुगोपाल तीन दिन से कर्नाटक में है। अब सोनिया गांधी भी कर्नाटक के मैसूर पहुंच गई है। चर्चा है कि दोनों मां-बेटे की मुलाकात होना है। मुलाकात में राजस्थान पर फैसला हो सकता है। गहलोत रहेंगे या पायलट को मिलेगी कमान। कांग्रेस के लिए गहलोत के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ने और मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ने जैसा मुद्दा चिंताजनक बना हुआ है।

गहलोत गुट ने दी है आलाकमान को सीधी चुनौती

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि गहलोत गुट के विधायकों ने सीधे तौर पर आलाकमान को चुनौती दे रखी है। सीएम गहलोत के माफी मांगने के बावजूद भी विधायक दल की बैठक की बहिष्कार की घोषणा से कांग्रेस आलाकमान नाराज दिखाई दे रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विधायक दल की बैठक के बहिष्कार करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो कार्यकर्ताओं में संदेश ठीक नहीं जाएगा। राजस्थान का मसला सीधे तौर पर पार्टी आलाकमान की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। गहलोत समर्थक विधायकों का कहना है कि हमें पायलट मंजूर नहीं है। 102 विधायकों में से किसी को भी मुख्यमंत्री बना दीजिए।

सरकार ने दिया प्रोत्साहन

कृषि के क्षेत्र में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी, छात्राओं को मिला संबल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कृषि के क्षेत्र में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी प्रभावी भागीदारी के लिए सरकार द्वारा सहयोग किया जा रहा है। बालिकाएं कृषि के क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों का अध्ययन करें और औपचारिक शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिससे न केवल परिवार की आय बढ़ेगी, बल्कि वे राज्य और देश की समृद्धि में भी योगदान देंगी। इसके लिए सरकार द्वारा कृषि में अध्ययनरत छात्राओं को प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इससे बीते वर्षोंमें महिलाओं का कृषि में योगदान बढ़ा है।

स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन

छात्राओं के रुझान को देखते हुए सरकार द्वारा राज्य में कृषि विषय लेकर अध्ययन करने वाली 11वीं एवं 12वीं कक्षा की छात्राओं को प्रतिवर्ष 5 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है। संयुक्त निदेशक कृषि जी.एल. कुमावत ने बताया कि कृषि विज्ञान से स्नातक के विषयों जैसे कि उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रसंस्करण के साथ ही स्नातकोत्तर (एम.एस.सी. कृषि) में अध्ययन करने वाली छात्राओं को 12 हजार रुपये प्रतिवर्ष दिये जाते हैं। इसी प्रकार कृषि विषय में पीएचडी करने वाली छात्राओं को 15 हजार रुपये प्रतिवर्ष (अधिकतम 3 वर्ष) प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

4 वर्ष में 65 हजार 424 छात्राओं को मिली मदद

कृषि छात्रा प्रोत्साहन योजना के तहत गत 4 वर्षों में अध्ययनरत 65 हजार 424 छात्राओं को कुल 4,257.78 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। वर्ष 2018-19 में अध्ययनरत 14 हजार 130 छात्राओं को 967.93 लाख रुपये का, वर्ष 2019-20 में 15 हजार 780 अध्ययनरत छात्राओं को 930.06 लाख रुपये का, वर्ष 2020-21 में अध्ययनरत 14 हजार 647 छात्राओं को 1075.23 लाख रुपये का तथा वर्ष 2021-22 में 20 हजार 867 कृषि संकाय में अध्ययनरत छात्राओं को 1284.56 लाख रुपये का भुगतान किया गया है।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास, सबको आवास

10% दीजिए गृह प्रवेश कीजिए

जयपुर में आवास खरीदने का **सुनहरा अवसर**

बुधवार नीलामी उत्सव

योजनाओं का नाम व स्थान	श्रेणी व संख्या	न्यूनतम बिड मूल्य
द्वारकापुरी अपार्टमेंट, प्रताप नगर — EWS Flats — RERA No. RAJ/RERA/P/2018/793	1BHK 190	06.00 लाख रुपये
प्रताप अपार्टमेंट, सेक्टर 26, प्रताप नगर — LIG Flats	1BHK 46	08.00 लाख रुपये
प्रताप अपार्टमेंट, सेक्टर 26, प्रताप नगर — HIG Flats	3BHK 6	37.29 लाख रुपये
महला योजना, जोबनेर, बोराज — EWS Flats — RERA No. RAJ/RERA/P/2018/785	1BHK 44	04.22 लाख रुपये
महला योजना, जोबनेर, बोराज — LIG Flats — RERA No. RAJ/RERA/P/2018/785	2BHK 755	06.93 लाख रुपये
महला योजना, जोबनेर, बोराज — MIG-A Flats — RERA No. RAJ/RERA/P/2018/785	2BHK 111	09.86 लाख रुपये
MGD वीकेंड होम नायला, नायला आवासीय योजना — LIG Duplex — RERA No. RAJ/RERA/P/2018/722	Duplex 170	11.55 लाख रुपये

फोटो प्रतीकात्मक

नियम एवं शर्तें लागू

156 आसान मासिक किश्तों में भुगतान

ई-मित्र पर मात्र 100 रुपये देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लें

राजस्थान संवाद

ई-बिड सबमिशन पर उपलब्ध

- योजना में पानी, बिजली, सड़क, सीवर, पार्क सहित मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था एवं ये आवास विवाद रहित हैं
- ई-बिड सबमिशन प्रत्येक सोमवार प्रातः 10 बजे से बुधवार सायं 4 बजे तक
- 'जहां है जैसा है' के आधार पर विक्रय
- शनिवार व रविवार को आवास दिखाने की विशेष व्यवस्था

ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 0141-2740009 कार्यालय समय उपरान्तः (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291, 9460254319, 9983131666, 8852000770 या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें।

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

कुछ लोग क्षमा मांगने को व्यक्तित्व की दुर्बलता से जोड़कर देखते हैं। जबकि वास्तव में क्षमाशीलता अत्यंत उदात्त भाव है। इसके मन में होने से ना केवल दूसरों से हमारे रिश्ते मधुर बनते हैं, हमारे जीवन में सहजता और शांति का समावेश भी होता है। क्षमा पर्व हमें इस भाव को स्वयं में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

जब मन में होगा क्षमा भाव जीवन हो जाएगा सहज-शांत

क्षमा पर्व, 21 सितंबर विशेष

जीवनशैली
डॉ. अलका जैन 'आराधना'

आज फिर तन्मय बिना खाना खाए ही ऑफिस चला गया। इधर ऐसा अकसर होने लगा था। दरअसल, रोजाना बच्चों की ऑनलाइन क्लास से लेकर उनके लिए नाश्ता बनाने और तन्मय के ऑफिस के लिए लंच तैयार करने में श्रुति को काफी समय लग जाता है। पिछले कुछ दिनों से श्रुति की तबियत भी खराब चल रही थी। लेकिन तन्मय का श्रुति की हेल्थ की ओर ध्यान ही नहीं गया। जब श्रुति ने उसे सुबह नाश्ता नहीं बनाकर दिया, तो वह नाराज होकर ऑफिस चला गया। हालांकि ऑफिस पहुंचकर तन्मय को अहसास हुआ कि उसने जो किया, वो गलत था। इधर श्रुति भी परेशान थी। ऑफिस पहुंचकर तन्मय ने श्रुति को फोन किया। श्रुति के फोन उठाते ही दोनों के मुंह से एक ही शब्द निकला-सॉरी। 'सॉरी' या अपनी गलती के अहसास को व्यक्त करते माफी मांगने के भाव से भरा कोई भी शब्द, जीवन में बहुत मायने रखता है। हमें यह भी समझना होगा कि क्षमा मांगने से ना कोई छोटा हो जाता है और ना क्षमा करने से कोई बड़ा। लेकिन इससे रिश्तों में आपसी समझ और संवेदना का संचार जरूर होता है।

सर्वोपरि भाव है क्षमा

माफ करना या माफी मांगना सभी भावों से बढ़कर माना जाता है। सभी अहसासों में यह सबसे प्यारा अहसास है, क्योंकि यह रिश्तों को जीवंत बनाए रखता है। हम सभी से जाने-अंजाने गलतियां होती रहती हैं। अकसर किसी एक से हुई गलती से दूसरा खफा हो जाता है। लेकिन रिश्तों की डोर को जोड़े रखने के लिए जरूरी है कि हम एक-दूसरे की गलतियों को दिल से ना लगाएं, क्योंकि जीवन में रौनक इन्हीं रिश्तों से है। रिश्तों में आने वाली दरारों को क्षमा भाव अपनाकर भरा जा सकता है।

मिलता है सुकून

जरा सोचिए, जब हम किसी की बात को दिल से लगा लेते हैं, उससे नाराज हो जाते हैं और बातचीत बंद कर देते हैं तो क्या इसके बाद हम खुश रह पाते हैं? हमारे मन में सही-गलत की उधेड़बुन चलती रहती है। इसी असमंजस की स्थिति में अगर अहंकार आड़े आ जाता है तो ना कोई माफी मांग पाता है और ना हम माफ कर पाते हैं। इससे मन अशांत रहता है। इस अशांति से बचने के लिए जरूरत के अनुसार हम माफी मांगने या माफ करने से कभी ना झिझकें। इससे ना केवल हमारे रिश्ते अपनों से मधुर बने रहते हैं, जीवन में भी सुकून बना रहता है।

सेहत पर सकारात्मक प्रभाव

जब हम किसी अपने की गलती को दिल से लगा लेते हैं तो इसका असर हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, दोनों पर पड़ता है। दरअसल, जब हमें किसी की बात बुरी लगती है, तो ना चाहते हुए भी उसके बारे में सोचने लगते हैं। इससे तनाव बढ़ता है। तनाव कई तरह के रोगों की जड़ है। इसलिए किसी की गलती को दिल से लगाकर ना रखें। जीवन को सहज बनाने के लिए मन को साफ रखें और मन तभी साफ रहेगा, जब माफ करना-माफी मांगना हम सीख जाएंगे। तभी मन-मस्तिष्क तनावों से दूर रहेगा और हमारी सेहत सही रहेगी।

बना रहता है रिश्ता

हम सभी में थोड़ी बुराई और थोड़ी अच्छाई होती है। अगर किसी वजह से किसी अपने से मनमुटाव हो गया है तो भी उसे पूरी तरह गलत मानने के बजाय, उसकी स्थिति, मनोदशा और नजरिए को समझें। अकसर रिश्तों में सिर्फ अपने नजरिए को अहमियत देने से दूरियां बढ़ती हैं। ऐसे में माफ करना या माफी मांगना मुश्किल हो जाता है। इससे रिश्ते बिगड़ते हैं। हम ना भूलें कि रिश्ते बनाना आसान है, पर निभाना बहुत मुश्किल। एक-दूसरे की छोटी-बड़ी गलतियों को नजरअंदाज करके, माफ करके अपने रिश्ते को बिखरने से बचा सकते हैं। इस बात को भी हमें समझना चाहिए कि माफी मांगने या माफ करने का अर्थ झुकना कभी नहीं होता। यह तो बहुत प्यारा अहसास है। यह रिश्तों को बचाए रखने की कवायद ही नहीं है, रिश्तों को खूबसूरत अहसासों से जीवंत कर देने का मधुरिम भाव भी है।

क्षमा पर्व की महत्ता

जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा पयुर्षण पर्व, देश-विदेश में उल्लास के साथ मनाया जाता है। श्वेतांबर संप्रदाय के जैन धर्मावलंबी इन दिनों तप-आराधना करके 'मिच्छामी दुक्कड़म' यानी 'क्षमा पर्व' मनाते हैं, जिसे संवत्सरी भी कहा जाता है। संवत्सरी, श्वेतांबर संप्रदाय के पर्युषण पर्व का अंतिम दिन होता है। इसी दिन से दिगंबर संप्रदाय के पर्युषण पर्व की शुरुआत होती है, जिसे 'दशलक्षण पर्व' कहा जाता है, जो दस दिन तक चलते हैं। दिगंबर संप्रदाय के पर्युषण पर्व का समापन भी 'क्षमावाणी' पर्व से होता है। इस बार यह पर्व आज मनाया जा रहा है।

क्षमावाणी पर्व का मूल भाव यही है कि जहां क्रोध का अंत होता है, वहीं से क्षमा भाव की शुरुआत होती है। हम अपने दैनिक व्यवहार की कटुताओं को मन में ना रखते हुए मन, वचन और काया से क्षमा मांगने और क्षमा करने का उदात्त भाव अपनाएं। जब तक मन की कटुता दूर नहीं होगी, तब तक क्षमावाणी पर्व मनाने का कोई अर्थ नहीं है। 'उत्तम क्षमा' का यह भाव माफी मांग लेने और माफ कर देने की पुनीत भावना से जुड़ा है। सबसे खास बात यह है कि यह पर्व किसी धर्म विशेष की थाती ना होकर प्राणी मात्र से जुड़ा है, इसीलिए यह सार्वभौमिक है और सर्वकालिक भी।

अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस, 26 सितंबर विशेष

अनमोल होती हैं बेटियां

अहसास
प्रस्तुति : पूनम बर्त्वाल

बेटियां हमारे जीवन को खुशियों से भरती हैं। मुश्किल समय में हमारा संबल, हमारी ताकत बनती हैं। कई बार वे हमारी मार्गदर्शक भी बन जाती हैं। बेटियों से जुड़े ऐसे ही अहसासों को बयां कर रही हैं, साहित्यकार मैत्रेयी पुष्पा और लोक गायिका मालिनी अवस्थी।

सबसे पहले ईश्वर से बेटी की कामना करें
मैत्रेयी पुष्पा, साहित्यकार

मेरी तीन बेटियां हैं। बेटी होने पर मुझे हमेशा कहा गया-'कोई बात नहीं।' इस बात का मतलब यही होता था कि अगली बार बेटा हो जाएगा। लेकिन मेरे लिए तो मेरी बेटियां अनमोल हैं। मैं अपनी बड़ी बेटी नम्रता की बात बताती हूं, वह जब छोटी थी, तभी से बहुत समझदार थी।

एक बार मैंने उसे एक कहानी पढ़ाते हुए कहा था- 'तू भी अपने पापा की तरह डॉक्टर बनेगी ना?' यह बात जैसे उसके जेहन में बैठ गई। वह खूब पढ़ी, बिना कोचिंग के डॉक्टरी के एग्जाम में पास हो गई। आगे चलकर वह डॉक्टर बनी और उसकी बहनें भी। यहां तक कि नम्रता हमारी देखभाल के लिए हमारे ही फ्लैट के ऊपर फ्लैट लेकर रहने लगी। वह हर तरह से हमारा संबल बनी। सबसे बड़ी बात जब मैं लेखन में आई तो मुझे उसने ही सपोर्ट किया। इसी तरह मेरी दूसरी बेटियां भी हैं, वे भी मुझे बहुत संबल देती रहीं। जब कभी मैं या उनके पापा बीमार होते हैं, तो सब आकर सामने खड़ी हो जाती हैं, हमारी देखभाल करती हैं। हमें पता है कि हमारी हर परेशानी में तीनों बेटियां साथ खड़ी हैं, यह अहसास हमें बहुत खुशी देता है। पाठिकाओं से मैं यही कहूंगी कि आप अपना जीवन और बुढ़ापा सुधारना चाहती हैं, तो सबसे पहले ईश्वर से बेटी की कामना करें। इसी के साथ अपनी बेटियों के सपनों को पूरा करें, उनको हमेशा सहयोग दें।

वे अपनों का साथ कभी नहीं छोड़तीं
मालिनी अवस्थी, लोक गायिका

ईश्वर ने, प्रकृति ने, बेटियों को इतना संवेदनशील बनाया है कि वे अपनों से गहरे तक जुड़ती हैं, उनका नाता अपनों से बहुत ही गहरा और अटूट होता है। बेटियां हर दौर में अपनों के साथ खड़ी रहती हैं। वे सचमुच ईश्वर का अनुपम उपहार हैं, हम सभी के लिए। मैंने अपनी मां को नानाजी का संबल बनते देखा है। वे हमेशा हर मुश्किल में परिवार के साथ खड़ी रहती थीं। मैंने भी उनकी छवि को अपने भीतर उतारने की कोशिश की। अपनों का संबल बनने का हर संभव प्रयास किया। इसी तरह मेरी बेटी भी है, वह मेरा बहुत बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। वह मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। मैं हर बात उससे साझा करती हूं। कोरोना काल में भी हमारी बेटी ने हमें बहुत सपोर्ट दिया, इमोशनली स्ट्रॉन्ग बनाया। इसी तरह जब कभी कोई मुश्किल घड़ी आती है, तो वह साथ खड़ी रहती है। उसका यही साथ रहना, हमें मजबूत बनाता है। मुझे लगता है, सभी बेटियां ऐसी ही होती हैं, वे अपने माता-पिता और अपनों का साथ कभी नहीं छोड़ती हैं।

बेटी दिवस पर पाठिकाओं से यही कहना चाहूंगी कि बेटा-बेटी में भेदभाव ना करें। उन्हें समान अवसर दें। तभी बेटियां ऊंची उड़ान भर पाएंगी। अपने सपनों को पूरा कर पाएंगी। ऐसा होने पर ही वे खुश रहेंगी। जब बेटियां खुश रहेंगी तो आपका जीवन भी खुशियों से भर जाएगा।

छोटे बालों की तुलना में लंबे बालों को ज्यादा केयर की जरूरत होती है। ऐसा ना करने पर आपके बाल कमजोर, रूखे और बेजान होकर टूट सकते हैं। अगर आपके बाल भी लंबे हैं तो उनकी प्रॉपर केयर के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगी।

ऐसे बने रहेंगे आपके लंबे-घने खूबसूरत बाल

हेयर केयर
प्रतिमा

काले, घने, लंबे बाल दिखने में बेहद खूबसूरत लगते हैं। लेकिन लंबे बालों की केयर करना काफी मुश्किल होता है। अगर उनकी प्रॉपर केयर ना की जाए, तो बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं। इतना ही नहीं खराब देख-रेख के कारण बालों के स्प्लिट एंड्स हो जाते हैं, जिससे धीरे-धीरे बाल बेजान और रूखे नजर आने लगते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह करें अपने लंबे बालों की प्रॉपर केयर।

चुनें सही हेयर प्रोडक्ट्स

ज्यादातर महिलाएं केमिकल बेस्ड हेयर प्रोडक्ट्स यूज करती हैं। इनसे बालों को नुकसान पहुंच सकता है। इनके बजाय जहां तक संभव हो हर्बल प्रोडक्ट्स वाले ऑयल, शैंपू, कंडीशनर खरीदें। ये बालों के लिए अच्छे होते हैं। इनमें केमिकल्स का यूज नहीं होता है। इनके रेग्युलर यूज से बाल सॉफ्ट और शाइनी होते हैं।

ऐसे करें हेयर वॉश

हेयर वॉश के लिए बालों पर डायरेक्ट शैंपू का यूज ना करें। शैंपू को पहले थोड़े से पानी में घोल लें। अब इस पानी से हेयर वॉश करें। इस तरह शैंपू बालों की जड़ों तक आसानी से पहुंच जाएगा और बालों पर इसका कोई नेगेटिव इफेक्ट भी नहीं पड़ेगा। शैंपू करते वक्त अपने स्कैल्प की अच्छी तरह मसाज करें। मसाज करने से स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। साथ ही बाल अच्छी तरह साफ हो जाते हैं।

सॉफ्ट हो कॉम्ब

छोटे बालों की तरह लंबे बालों को कॉम्ब करना आसान नहीं होता है। लंबे बालों में कॉम्ब करने के लिए ऐसे ब्रश का यूज करें, जो खासतौर पर लंबे बालों के लिए ही डिजाइन किए जाते हैं। कॉम्ब के ब्रिसल्स सॉफ्ट होने चाहिए। ध्यान रखें कि गीले बालों को कभी ब्रश ना करें। इससे बाल टूटते हैं। लंबे बालों को ब्रश करने के लिए दो पार्टिशन में डिवाइड कर लें। पहले एक पार्टिशन को कंधे से सामने की ओर लाएं। इसके बाद इन्हें गर्दन से नीचे की ओर कॉम्ब करें। अगर बाल काफी ज्यादा उलझे हैं, तो बालों के ज्यादा पार्टिशन बनाकर इन्हें अंगुलियों की मदद से सुलझाएं, इसके बाद कॉम्ब करें।

रेग्युलर ट्रिम कराएं

अकसर देखा जाता है कि जिन महिलाओं के बाल लंबे होते हैं, वे अपने बाल कटवाने से बचती हैं। ऐसा करने की वजह से बालों के स्प्लिट एंड्स हो जाते हैं। इसलिए आप अपने बालों को रेग्युलर यानी महीने में कम से कम एक बार जरूर ट्रिम कराएं। इससे बालों की ग्रोथ भी अच्छी बनी रहती है।

सोते समय रखें ध्यान

ज्यादातर महिलाएं रात को सोते समय बालों को खोलकर रखती हैं। इससे बाल उलझकर टूटने लगते हैं। ऐसा ना हो, इसके लिए रात को सोते समय अपने लंबे बालों की पोनीटेल बना लें। इसके लिए ढीली रबड़ या कपड़े की हेयर बैंड का यूज करें। सोने के लिए तकिए पर कॉटन कवर का यूज करना सही रहता है। कॉटन के कवर पर बाल आसानी से यहां-वहां हिल सकते हैं। इस तरह बाल टूटते नहीं हैं।

कुछ बच्चे किसी शारीरिक अक्षमता या समस्या के साथ ही जन्म लेते हैं। ऐसा होने की कई वजहें हो सकती हैं। लेकिन अगर गर्भावस्था के दौरान महिलाएं अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें तो वे अपने होने वाले बच्चे को इस तरह की कई बीमारियों से बचा सकती हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान रहें अलर्ट कम होगी बर्थ डिफेक्ट्स की संभावना

मेडिकल सजेशन
डॉ. रीना मालपानी
स्त्री रोग विशेषज्ञ, कोलकाता

मां बनने का अहसास हर महिला के लिए बहुत खास होता है। यही वजह है कि प्रेग्नेंट होने का पता चलते ही महिलाएं अपनी हेल्थ को लेकर एक्सट्रा कॉन्शस हो जाती हैं, रेग्युलर चेकअप करवाती हैं, अपनी डाइट और लाइफस्टाइल को बैलेंस रखने का हर संभव प्रयास करती हैं, ताकि होने वाला बच्चा हेल्दी और फिट हो। इसके बावजूद कुछ कारणों से बच्चे में कुछ बर्थ डिफेक्ट्स हो जाते हैं। यह स्थिति ना सिर्फ पैरेंट्स को ताउम्र परेशान करती है बल्कि बच्चे को भी आजीवन अपनी बीमारी के साथ रहना पड़ता है। ऐसा ना हो, इसके लिए जरूरी है कि आप पहले से ही बर्थ डिफेक्ट्स के कारणों, सावधानियों और उसके इलाज के बारे में जरूरी बातें जान लें।

क्या हैं बर्थ डिफेक्ट्स

बर्थ डिफेक्ट्स ऐसी एब्नॉर्मलिटीज हैं, जो जन्म के वक्त से ही शिशु में होती हैं। लेकिन अब नई मेडिकल तकनीक की सहायता से शिशु के जन्म लेने से पहले ही कुछ टेस्ट करवा कर इनका पता लगाया जा सकता है। हालांकि कई बार ऐसी समस्याओं का पता शिशु के जन्म लेने के बाद ही चलता है।

बर्थ डिफेक्ट्स के प्रकार

विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत फिलहाल 3000 से ज्यादा तरह के बर्थ डिफेक्ट्स की जानकारी डॉक्टरों को है। ये शिशु के शरीर की बनावट या शारीरिक संरचना संबंधी, आनुवांशिक, मां की सेहत समस्याओं से उपजी, मां द्वारा नशा या नुकसानदायक फूड के सेवन या संक्रामक रोगों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

स्ट्रक्चरल डिफेक्ट (शारीरिक बनावट संबंधी) : शिशु के शरीर के कुछ खास हिस्से अविकसित या गलत तरीके से विकसित हो सकते हैं। किसी खास हिस्से में एक्स्ट्रा या एब्नॉर्मल ग्रोथ हो सकती है। कई समस्याएं बाहर से दिखती हैं और कई सामान्य रूप से नजर नहीं आती हैं।

हार्ट डिफेक्ट : कुछ आंतरिक समस्याएं भी बच्चों में हो सकती हैं, उन्हीं में से एक है हार्ट डिफेक्ट। कई बार शिशु के सामान्य जीवन के लिए सर्जिकल प्रोसेस जरूरी हो जाता है। हार्ट डिफेक्ट के अलावा न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट भी एक आम समस्या है।

जेनेटिक डिफेक्ट : एक या ज्यादा जींस की गड़बड़ी के कारण पैरेंट्स की स्वास्थ्य समस्या बच्चों में आ सकती है। मां में मिनरल्स और न्यूट्रीशन की कमी की वजह से भी बच्चे में कुछ समस्याएं आ सकती हैं।

रोकथाम के उपाय

बर्थ डिफेक्ट्स का इलाज सामान्य बीमारियों की तरह करना संभव नहीं है। कई मामलों में सावधानी बरतकर इनकी रोकथाम की जा सकती है। लेकिन बहुत से मामलों में डॉक्टर या पैरेंट्स का इन पर कंट्रोल नहीं होता, क्योंकि गर्भ में विकसित हो रहे शिशु के लिए ज्यादा कुछ किया जाना संभव नहीं होता है। फिर भी कुछ सावधानियां बरतकर आप अपने शिशु को स्वस्थ जीवन दे सकती हैं-

नशे से दूर रहें : गर्भवती महिलाओं को किसी भी तरह का नशा नहीं करना चाहिए। इसमें एल्कोहल और स्मोकिंग का खास ध्यान रखा जाना चाहिए। इनके सेवन से जच्चा-बच्चा दोनों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। स्मोकिंग की आदत की वजह से शिशु वक्त से पहले जन्म ले सकता है, मिसकैरिज हो सकता है। यहां तक कि सडेन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम (सिड्स) का भी जोखिम रहता है।

दवाओं की जानकारी रखें : कई बार कुछ दवाइयां मरीज को नियमित लेनी होती हैं। लेकिन कंसीव करने के बाद इन दवाओं को लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करें। डॉक्टर के कहने के बाद ही उन दवाओं को रेग्युलर बेस पर लेना चाहिए।

प्रदूषण से बचें : अत्यधिक धूल, धुएं और प्रदूषित वातावरण में रहने से बचें। घर में केमिकल प्रोडक्ट्स, हार्ड डिटर्जेंट, डिसइनफेक्टेंट आदि का प्रयोग ना करें।

नियमित चेकअप करवाएं : ज्यादातर बर्थ डिफेक्ट्स पहली तिमाही (फर्स्ट ट्राइमेस्टर) में होते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि गर्भवती महिलाएं रेग्युलर मेडिकल चेकअप करवाएं। साथ ही किसी एक्सपीरियंस्ड डॉक्टर के कॉन्टेक्ट में रहें।

अगर प्रेग्नेंट महिलाएं यहां बताई गईं सभी बातों पर गौर करें, तो अपने होने वाले बच्चे को कई तरह के बर्थ डिफेक्ट्स से बचा सकती हैं।

प्रस्तुति-अंजू जैन

एक नज़र

सैन्य हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में पायलट की मौत

एजेंसी

तवांग। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर बुधवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे एक पायलट की मौत हो गई, वहीं दूसरे पायलट के घायल होने की खबर है। रक्षा प्रवक्ता कर्नल ए.एस. वालिया ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे एक अग्रिम क्षेत्र में नियमित उड़ान के दौरान हुआ। उन्होंने बताया कि हेलिकॉप्टर में दो पायलट सवार थे, जिन्हें तुरंत सेना के नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान एक पायलट की मौत हो गई जबकि दूसरे पायलट का इलाज जारी है। कर्नल वालिया ने कहा कि हादसे के पीछे के कारण का तत्काल पता नहीं चल पाया है।

उत्तराखंड: बस दुर्घटना में 33 लोगों की मौत

एजेंसी

पौड़ी (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में बारात ले जा रही एक बस के खाई में गिरने से 33 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 19 अन्य लोग घायल हो गए। बस में करीब 50 से ज्यादा लोग सवार थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस हरिद्वार के लालढांग कस्बे से बीरोंखाल के कांडा गांव जा रही थी, तभी वह मंगलवार शाम करीब सात बजे सिमरी मोड़ के पास 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। पुलिस ने बताया कि बचाव एवं तलाश अभियान रातभर चलाया गया। अभी तक 31शव बरामद किए गए हैं, जबकि शेष के अब भी बस में फंसे होने की आशंका है।

अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी

एजेंसी

मुंबई। एक अज्ञात शख्स ने बुधवार को दक्षिण मुंबई में स्थित सर एचएन रिलायंस अस्पताल के लैंडलाइन नंबर पर कॉल करके धमकी दी। इस शख्स ने अस्पताल को उड़ाने की धमकी दी। इसके अलावा मुकेश अंबानी और उनके परिवार को भी धमकी देने की बात सामने आई है। इस धमकी के बाद अस्पताल और अंबानी परिवार के घर एंटीलिया के बाहर सुरक्षा में इजाफा कर दिया गया है। बीते दो महीनों में यह दूसरा मौका है, जब अंबानी परिवार को धमकी मिली है। पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब 1 बजे अस्पताल में एक अज्ञात शख्स की कॉल आई, जिसमें धमकी दी गई है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस नीलोत्पल ने बताया कि कॉल करने वाले शख्स ने अंबानी परिवार के कुछ लोगों का नाम लेकर भी धमकी दी। मामले में डीबी मार्ग पुलिस थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

विजयदशमी पर बोले RSS प्रमुख मोहन भागवत...

'बने जनसंख्या पॉलिसी और सब पर हो लागू'

एजेंसी

नागपुर। यहां राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ मुख्यालय में दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजा की गई। इस दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया के उदाहरण पेश करते हुए जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारत को जनसंख्या नियंत्रण कानून की जरूरत है। इस दौरान उन्होंने महिला सशक्तीकरण समेत कई अहम मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ धार्मिक आधार पर जनसंख्या संतुलन भी बहुत जरूरी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

उन्होंने कहा, 'जनसंख्या को संसाधन की जरूरत होती है। अगर यह संसाधन को बढ़ाए बगैर बढ़ेगी, तो बोझ हो जाएगी।' उन्होंने कहा, 'यदि इसका सही इस्तेमाल हो तो यह साधन भी है। एसेट्स भी है। किसी भी देश में 57 करोड़ युवाओं की संख्या नहीं है। हमारा पड़ोसी देश चीन बुजुर्ग हो चला है। लेकिन हमें विचार को समझना होगा।' उन्होंने कहा कि भले ही हमारे धर्म और संप्रदाय अलग हों, लेकिन समाज और राष्ट्रीयता के नाते हम एक हैं।

असंतुलन के कारण गिनाए

भागवत ने कहा, 'जनसंख्या असंतुलन के चलते भौगोलिक सीमाओं में भी बदलाव होता है।' इस दौरान उन्होंने असंतुलन के कारण भी गिनाए। उन्होंने कहा, 'जन्मदर में अंतर के अलावा जबरन, लुभाकर या लालच से धर्मांतरण और घुसपैठ भी इसके बड़े कारण हैं।' भागवत ने कोसोवो और दक्षिण सूडान जैसे देशों का उदाहरण दिया, जो जनसंख्या में धर्म के असंतुलन के चलते पैदा हो गए।

किसी की श्रद्धा को ठेस न पहुंचाएं

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत हाल ही में पैगंबर मोहम्मद पर बयानों पर छिड़े विवाद पर भी बात की। उन्होंने इस दौरान किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन इशारों में ही बयानबाजी करने वाले लोगों को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि किसी की श्रद्धा को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। इसका ध्यान रखना होगा। समाज को तोड़ने के प्रयास चल रहे हैं। उदयपुर, अमरावती समेत कई जगहों पर क्रूर घटनाएं हुई हैं। पूरे समाज में इससे अशांति फैलने का खतरा रहता है। मुस्लिमों के भी प्रमुख लोगों ने इसका विरोध किया। मोहन भागवत ने इस दौरान दिल्ली की एक मस्जिद में अपने दौरे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस की ओर से अल्पसंख्यकों से वार्ता कोई पहली बार नहीं है। हमने पहले भी ऐसा किया है। डॉ. हेडगेवार के समय से ऐसा चला आ रहा है और गुरुजी ने जिलानी से मुलाकात की थी। तब से ही हमारा सभी वर्गों के साथ संवाद चलता रहा है।

संस्कार सिर्फ स्कूल-कॉलेजों से नहीं बन सकते

सामाजिक आयोजनों में, जनमाध्यमों के द्वारा, नेताओं के द्वारा संस्कार मिलते हैं। केवल कॉलेजों से संस्कार नहीं मिलते हैं। केवल स्कूली शिक्षा पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। सबसे ज्यादा प्रभाव घर के वातावरण, समाज के वातावरण का होता है। नई शिक्षा नीति की बहुत बातें हो रही हैं, लेकिन क्या हम अपनी भाषा में पढ़ना चाहते हैं? एक भ्रम है कि अंग्रेजी से रोजगार मिलता है। ऐसा नहीं है।

गद्दार का धब्बा हमेशा रहेगा: उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समर्थकों पर तीखा हमला करते हुए बुधवार को कहा कि उन (शिंदे) पर लगा 'गद्दार' का धब्बा कभी नहीं धुलेगा।सत्ता की लालसा की एक सीमा होती है..विश्वासघात करने के बाद, वह अब पार्टी का चुनाव चिह्न भी चाहते हैं और पार्टी अध्यक्ष भी कहलाना चाहते हैं। ठाकरे ने स्थानीय प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क मैदान में वार्षिक दशहरा रैली को संबोधित करते हुए शिंदे पर निशाना साधा, जिनकी इस साल जून में की गई बगावत के कारण ठाकरे के नेतृत्व वाली प्रदेश की शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस सरकार गिर गई थी।

उन्होंने साजिश रची

ठाकरे ने कहा, जैसे जैसे समय बदलता है, रावण का चेहरा भी बदल जाता है। आज, ये गद्दार हैं। जब मैं अस्वस्थ था और मेरी सर्जरी हुई थी, तो मैंने उन्हें जिम्मेदारी दी थी, लेकिन उन्होंने यह सोचकर मेरे खिलाफ साजिश रची कि मैं फिर कभी पैरों पर खड़ा नहीं हो पाऊंगा। शिवसेना किसी एक व्यक्ति की नहीं है, बल्कि यह सभी वफादार शिवसेना कार्यकर्ताओं की है।

प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश में फूंका चुनावी बिगुल

भाजपा सरकार शिलान्यास भी करती है और उद्घाटन भी: नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बुधवार को चुनावी बिगुल फूंकते हुए कहा कि पिछली सरकारें परियोजनाओं की नींव रखती थीं और चुनाव के बाद उन्हें पूरा करना भूल जाती थीं। राज्य के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने यहां आयोजित एक रैली में प्रधानमंत्री को एक पारंपरिक वाद्य यंत्र 'रणसिंघा' भेंट किया। मोदी ने इसे फूंककर 'रणभेरी' बजाई और बाद में कहा, यह भविष्य की प्रत्येक जीत की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार न केवल शिलान्यास करती है, बल्कि विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करती है।

मोदी यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज का उद्घाटन करने के बाद लुहनू मैदान में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इन संस्थानों की आधारशिला मोदी ने ही 2017 में रखी थी। प्रदेश में अगले दो महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में भाजपा सरकार को इस साल के अंत से पहले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद है। मोदी बाद में कुल्लू में दशहरा समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री 24 सितंबर को राज्य के मंडी का दौरा करने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण वह रैली स्थल पर नहीं जा सके। तब उन्होंने इसे डिजिटल माध्यम से संबोधित किया था।

बिलासपुर को दोहरा उपहार

मोदी ने आज कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज के उद्घाटन के साथ बिलासपुर को विकास का दोहरा उपहार मिला है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि हिमाचल प्रदेश की विकास यात्रा का हिस्सा रहा हूं। राज्य में विकास इसलिए संभव हुआ है, क्योंकि यहां के लोगों ने केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा को सत्तारूढ़ करने के लिए मतदान किया था। मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत जय माता नैना देवीजी के जयकारे से की। यह मंदिर बिलासपुर जिले में ही स्थित है। उन्होंने दशहरे की शुभकामनाएं भी दीं।

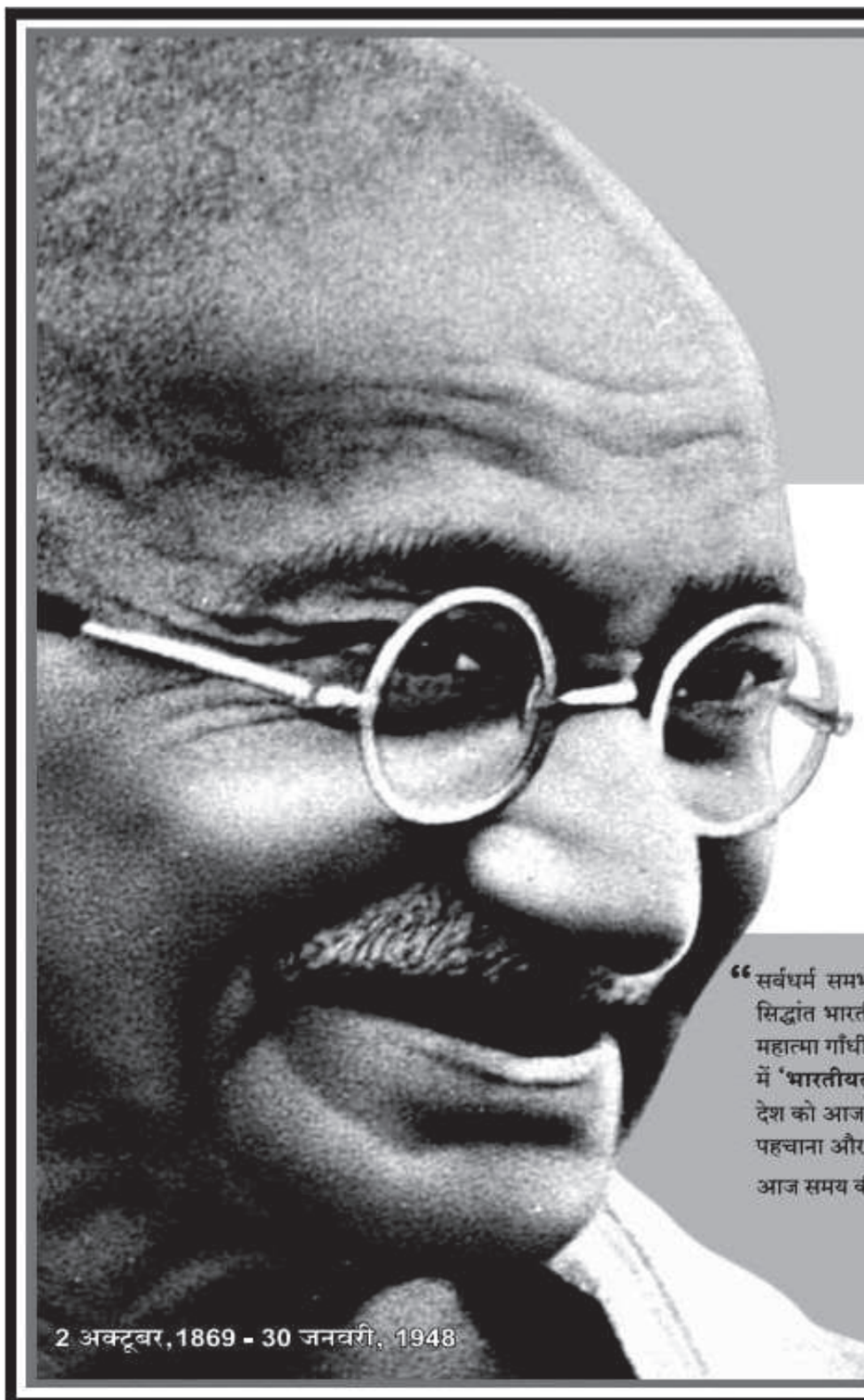

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

जिनका जीवन ही संदेश है

अहिंसा के पुजारी, आज़ादी के महानायक
राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी
की जयन्ती पर शत शत नमन

सर्वधर्म प्रार्थना सभा
2 अक्टूबर, 2022 • प्रात: 9 बजे
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर

"सर्वधर्म समभाव, अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य, मानवीय मूल्य, वसुधैव कुटुम्बकम ये सभी सिद्धांत भारतीयता के प्रतीक हैं। हमारे देश की विचारधारा इन्हीं सिद्धांतों की परिचायक है। महात्मा गाँधी, जीवन पर्यन्त इन सिद्धांतों पर चले। उनका जीवन एक संदेश था। वे सही मायने में **'भारतीयता'** के प्रतीक और महापुरुष थे। उन्होंने अहिंसा में छिपी आवाज को समझा और देश को आजादी दिलाई। उनके जीवन चरित्र से आज समूचे विश्व ने भारत की विचारधारा को पहचाना और संबोधित किया।

आज समय की मांग है कि अमन-चैन के साथ बापू के हर सपने को साकार करने में जुट जायें।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

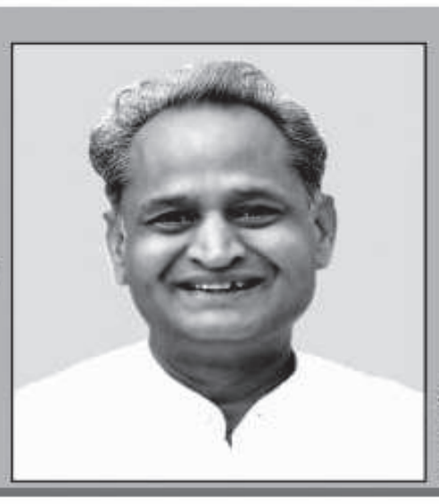

आप सभी सादर आमंत्रित हैं
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

2 अक्टूबर, 1869 - 30 जनवरी, 1948

राजस्थान संवाद

एक नज़र

2 साल बाद रहेगी बाजार में रौनक

दीपोत्सव की सजावट के लिए सस्ती बिजली दे गहलोत सरकार

जयपुर (**हिलव्यू समाचार**)। कोरोना के चलते दो साल से दीवाली फीकी जा रही थी। इस बार असर कम होने से बाजार में अच्छी रौनक रहने की उम्मीद है। ऐसे में व्यापारी बाजारों में एक बार फिर से त्योहारी सजावट करने के लिए उत्साहित हैं। इसकी तैयारियों में जुटे व्यापारियों ने रोशनी के लिए सस्ती बिजली देने की मांग की है।

जयपुर व्यापार महासंघ के सुभाष गोयल ने बताया कि कोरोना काल के बाद पहली बार यह दीपावली पूरे उत्साह से मनाई जाएगी। इससे व्यापार में भी तेजी आने की संभावना है। व्यापार मण्डलों में सजावट को लेकर सकारात्मकता है। सभी व्यापार मण्डल अपने यहां बड़े स्तर पर सजावट करना चाहते हैं। गोयल ने बताया कि आगामी सोमवार को बिजली दरों में छूट की मांग को लेकर विद्युत मंत्री से महासंघ मिलेगा। इस प्रतिनिधिमण्डल में अन्य व्यापार मंडलों के अधिकारी भी शामिल होंगे। महासंघ की ओर से जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज के महापौर को महासंघ की ओर से पत्र दिए जा चुके हैं। इन पत्रों के माध्यम से निगम से दीपावली को दिए जाने वाले विज्ञापनों की दरों में भी रियायत की मांग की गई है। चौड़ा रास्ता व्यापार संघ के सौभागमल अग्रवाल ने बताया नगर निगम से मांग की गई है कि हर वर्ष की तरह बिजली पोल पर लगने वाले विज्ञापनों को निःशुल्क किया जाए। सजावट के लिए बिजली दरों को भी सस्ती की जाए। एमआई रोड व्यापार मंडल के हरपाल सिंह पाली के अनुसार एमआई रोड जयपुर शहर की सजावट की सबसे आकर्षक स्थान होता है। पर्यटन को बूम देने के लिए व्यापार मण्डलों को सहायता दी जानी चाहिए। व्यापार मण्डल के महामंत्री सुरेश सैनी ने बताया कि एम आई रोड सबसे लंबी रोशनी की विविधता वाली जगह है। सैनी ने कहा कि सरकार आगे बढ़कर पांच दिन के लिए सस्ती बिजली की सौगात देने की घोषणा करे।

धारीवाल-जोशी के जवाब के बाद फिर गरमाएगी सियासत

दो दिन में देना है जवाब, राहुल से चर्चा कर 6 को वापस दिल्ली लौटेंगी सोनिया, एक्शन से तय होगा पार्टी का रुख

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान में 25 सितम्बर को हुए विधायकों के इस्तीफे के घटनाक्रम के बाद माहौल शांत हो गया है। मगर तीन दिन बाद एक बार फिर राजस्थान में राजनीति गर्मा सकती है। कांग्रेस के दो मंत्रियों सहित जिन तीन नेताओं को अनुशासनहीनता के नोटिस मिले थे उनके जवाब देने की मियाद के 10 दिन 6 अक्टूबर को पूरे हो रहे हैं। ऐसे में तीनों नेताओं के जवाबों के बाद पार्टी क्या कार्रवाई करती है इसे लेकर एक बार फिर राजस्थान में राजनीतिक हलचल बढ़ सकती है। 25 सितम्बर को बुलाई गई विधायक दल की बैठक के बहिष्कार और विधायकों के इस्तीफों के बाद माना जा रहा था कि राजस्थान में कुछ बड़ा उलटफेर हो सकता है। केंद्रीय संगठन से आए दोनों पर्यवेक्षकों ने भी इस घटना पर आपत्ति जताई थी। अजय माकन ने तो इसे घोर अनुशासनहीनता तक कह दिया था। मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। इसी बीच सीएम अशोक गहलोत सोनिया गांधी से मिल लिए और कांग्रेस अध्यक्ष के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के नामांकन में भी शामिल हुए। उसके बाद से राजस्थान में स्थितियां सामान्य हैं।

तीन नेताओं को दिया था नोटिस

कांग्रेस ने 27 सितम्बर को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री महेश जोशी और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को अनुशासनहीनता का नोटिस जारी किया था। कांग्रेस ने शांति धारीवाल को अपने घर पर विधायक दल की बैठक के पैरेरल बैठक करने, महेश जोशी पर मुख्य सचेतक होते हुए विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करने और धर्मेंद्र राठौड़ पर विधायकों के लिए लॉजिस्टिक्स अरेंज करने आरोप लगे थे। इसे कांग्रेस ने अनुशासनहीनता मानते हुए 10 दिन के भीतर जवाब देने के लिए कहा था।

नोटिस के जवाबों के बाद तय होगा भविष्यः 6 अक्टूबर तक तीनों नेताओं को जवाब देना है। तीनों के नोटिस जारी होने के बाद उनका भविष्य तय होगा। तीनों के जवाब के आधार पर ही तय होगा कि पार्टी उनपर क्या कार्रवाई करती है। यह कहा जा रहा है कि अगर पार्टी ने सख्त कार्रवाई की तो दोनों मंत्रियों के मंत्री पद जा सकते हैं। ऐसे में अगर यह होता है तो सीधे तौर पर गहलोत पर हमला होगा। ऐसे में इस कार्रवाई के बाद अलग किस्म के घटनाक्रम राजस्थान में देखने को मिल सकते हैं।

पायलट खेमा एडवायजरी को बना रहा हथियारः इधर इस पूरे मसले को लेकर गहलोत सहित कुछ नेताओं की लगातार बयानबाजी की पायलट खेमे ने केंद्रीय संगठन को शिकायत की है। पायलट खेमे ने इसे केंद्र के सामने संगठन की एडवायजरी की पालना नहीं करने के रूप में रखा है।

पायलट खेमे का कहना है कि जब संगठन ने एडवायजरी जारी की है तो फिर कुछ नेता बयानबाजी क्यों कर रहे हैं।

गहलोत लगातार दे रहे बयानः कांग्रेस अध्यक्ष के नामांकन से वापस आने के बाद से अशोक गहलोत लगातार बयान दे रहे हैं। उन्होंने सोमवार को इन्वेस्टर समिट की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी बयान दिए। इससे पहले भी जयपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने खुलकर बोला था। वहीं अपने हालिया हनुमानगढ़-गंगानगर और बीकानेर दौर पर भी गहलोत ने ऐसे कई बयान दिए जो राजस्थान संकट से सीधे तौर पर जुड़े थे।

महेश जोशी-धर्मेंद्र राठौड़ के भी बयान, गुढ़ा भी बोले

इधर संगठन से नोटिस मिलने के बाद भी महेश जोशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बातचीत की। हालांकि इसमें उनकी ओर से घटनाक्रम की सफाई ज्यादा थी। वहीं इसके बाद धर्मेंद्र राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और पायलट खेमे के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी पर कई आरोप लगाए। उन्होंने सोलंकी को गद्दार तक कह डाला। दूसरी ओर मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने भी बयान जारी किए।

सेना को मिला पहला स्वदेशी हल्का लड़ाकू 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर

हिलव्यू समाचार
जोधपुर। भारतीय वायुसेना ने स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' का पहला बेड़ा सोमवार को शामिल कर लिया। भारत ने 23 साल पहले जो सपना देखा था, वो अब पूरा हो गया है। इतने सालों की मेहनत के बाद सोमवार को स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर एयरफोर्स को मिल गए हैं। इसकी खासियतों को देखते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे प्रचंड नाम दिया है। जोधपुर स्थित वायुसेना स्टेशन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी की मौजूदगी में चार हेलिकॉप्टर को वायुसेना के बेड़े में शामिल किए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा, 'एलसीएच प्रचंड को शामिल किया जाना हमारे राष्ट्र को मजबूत बनाने और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के 130 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प के लिए एक विशेष क्षण है। प्रत्येक भारतीय को बधाई!' हेलिकॉप्टर को 'प्रचंड' नाम देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह रात और दिन दोनों ही समय में संचालन योग्य है, जिससे वायुसेना की युद्ध क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण क्षण है जो रक्षा उत्पादन में भारत की क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने स्वदेश निर्मित हेलिकॉप्टर में भरोसा जताने के लिए वायुसेना की सराहना भी की। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि इस एलसीएच की क्षमता वैश्विक स्तर पर अपनी श्रेणी के हेलिकॉप्टर के बराबर है।

प्रचंड में राजनाथ की उड़ान...

23 सालों का इंतजार खत्म

भारतीय वायुसेना ने स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' का पहला बेड़ा सोमवार को शामिल कर लिया। पाकिस्तान के साथ हुए 1999 के कारगिल युद्ध के बाद इस तरह के हेलिकॉप्टर की आवश्यकता महसूस किए जाने के मद्देनजर एलसीएच को वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया है। एलसीएच को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड' (एचएएल) ने विकसित किया है और इसे ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात करने के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है।

इन ताकतों से बना प्रचंड

'प्रचंड' हेलिकॉप्टर तपते रेगिस्तान, बर्फीले पहाड़ों समेत हर परिस्थिति में दुश्मनों पर हमला करने का माद्दा रखता है। रडार से बचने की खूबी के साथ ही बख्तरबंद सुरक्षा प्रणाली से लैस और रात को हमला करने व आपात स्थिति में सुरक्षित उतरने की क्षमता शामिल हैं। इसको ऐसे समय में वायुसेना में शामिल किया गया है, जब भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ बिंदुओं पर सैन्य गतिरोध बरकरार है।

पांच माह बाद लम्पी का कहर हुआ कम

11 लाख लड्डुओं से बची लाखों गायें

जयपुर। राजस्थान में पशुओं में तेजी से फैले लम्पी वायरस का खतरा कम होने लगा है। सरकार के साथ सामाजिक संस्थाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और पशु प्रेमियों द्वारा लगातार प्रयास के बाद लम्पी पर काबू पाया गया। पिछले 15 दिनों में लम्पी संक्रमण और इससे होने वाले पशुधन की मौत में कमी आई है। संक्रमण कम होने पर पशुपालन विभाग ने पशुओं का वैक्सीनेशन बढ़ाया है। प्रतिदिन एक लाख से अधिक पशुओं को वैक्सीनेशन किया जा रहा है।

प्रदेश में एक सप्ताह पहले तक राज्य में तकरीबन 11 से 12 हजार पशुधन इस बीमारी से संक्रमित हो रहा था। वहीं करीब साढ़े सात सौ से अधिक पशुधन की मौत हो रही थी। उसमें अब कमी आ रही है। गत माह इस बीमारी से प्रतिदिन संक्रमित होने वाले गोवंश की संख्या 11 से 12 हजार तक थी, वह अब कम होकर 5 से 6 हजार तक रह गई है। प्रदेश में अब तक सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 15 लाख, 20 हजार पशु लम्पी से संक्रमित हुए हैं। वहीं लम्पी से से हो रही पशुधन की मौत का आंकड़ा भी काफी कम हुआ है। गत माह 25 से 30 सितंबर तक मौत का आंकड़ा पौने आठ सौ तक था। अब यह आंकड़ा कम होकर औसतन साढ़े तीन सौ तक ही रह गया है।

गांधी आश्रम 8 को पहुंचेगी यात्रा

गुजरात में सौ किलोमीटर पैदल चले बेरोजगार युवा

जयपुर (**हिलव्यू समाचार**)। राजस्थान के युवा बेरोजगार कांग्रेस सरकार से रोजगार की मांग को लेकर गुजरात में दांडी यात्रा निकाल रहे हैं। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के बैनर तले 2 अक्टूबर को गुजरात के पालनपुर से शुरू हुई यह यात्रा 8 अक्टूबर को अहमदाबाद स्थित गांधी आश्रम पहुंचेगी। हजारों युवाओं ने गुजरात में कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। यात्रा में कई युवा महात्मा गांधी के वेश में भी चल रहे हैं। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि राजस्थान में अनेक भर्तियां अटकी पड़ी हैं। बेरोजगार युवक लगातार

धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, कांग्रेस सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही। ऐसे में शांतिपूर्ण दांडी यात्रा निकालकर मुख्यमंत्री को जगाने का काम कर रहे है।

राजस्थान में छह महीने बिजली संकट टलेगा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। दीपावली के त्योहारी सीजन से पहले राजस्थान में बिजली संकट से निपटने के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड ने लॉन्ग टर्म बिजली खरीद का कॉन्ट्रैक्ट किया है। 6 कंपनियों के 1785 मेगावाट कैपिसिटी के सोलर पावर प्लांट्स से बिजली खरीदने के लिए RUVNL ने यह बड़ा करार किया है। इन कंपनियों से केवल 2.17 रुपए और 2.18 रुपए प्रति यूनिट की सस्ती रेट पर अगले 20 साल तक बिजली खरीदी जाएगी। 7 पैसा प्रति यूनिट सेबी को ट्रेडिंग चार्ज के तौर पर अलग से दिए जाएंगे। टैरिफ रेट फाइनल करने को लेकर राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेरिटी कमीशन में याचिका भी लगा दी गई है। जिसमें सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए गाइडलाइंस के मुताबिक बिडिंग का हवाला दिया गया है।

रोजाना 2.80 करोड़, महीने में 85 करोड़, सालाना 10 अरब 20 करोड़ रुपए की बिजली खरीद होगीः राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के चीफ इंजीनियर मुकेश बंसल से बातचीत में बताया 1 मेगावाट पावर से 1 घंटे में 1000 यूनिट और 24 घंटे में 24 हजार यूनिट बिजली मिलती है। लेकिन सोलर पावर प्लांट सूरज उगने (सूर्योदय) और सूरज छिपने तक ही बिजली पैदा कर सकता है। इसलिए इसकी कैल्कुलेशन 30 प्रतिशत बिजली सप्लाई मिलने के आधार पर की जाती है। इसलिए 6 बिजली कंपनियों से RUVNL को करीब 540 मेगावाट बिजली ही प्रतिघंटा मिल पाएगी। 24 घंटे में औसत लगभग 1 करोड़ 30 लाख यूनिट बिजली खरीद होगी। इस आधार पर रोजाना करीब 2 करोड़ 80 लाख रुपए, महीनेभर में 85 करोड़ और सालभर में 10 अरब 20 करोड़ रुपए की बिजली खरीदी जाएगी। SEBI में ट्रेडिंग चार्ज के 9 लाख 10 हजार रुपए रोजाना अलग से देने होंगे।

एसीबी की समीक्षा बैठक

भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी निभा रही अहम भूमिका: मुख्यमंत्री

जयपुर(हिलव्यू समाचार)। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन हमारी सरकार का मूल मंत्र है। सरकार द्वारा राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर सख्त निर्णय लिये जा रहे हैं। हमारी भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के अनुरूप ही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आय से अधिक संपत्ति एवं पद के दुरूपयोग के प्रकरणों में विशेष कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गहलोत मंगलवार शाम झालाना स्थित एसीबी मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान एसीबी की कार्यशैली की सराहना देशभर में हो रही है। एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने एसीबी द्वारा चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान 'सजग ग्राम' व 'एसीबी आपके द्वार' की पहुंच बढ़ाने व अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार के प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए लोक अभियोजक संवर्ग के सदृढ़ीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इससे लम्बित प्रकरणों का भी निस्तारण शीघ्र हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को समाप्त कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने से ही राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का

लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा। **1064 हैल्पलाइन का हो व्यापक प्रचार-प्रसारः** गहलोत ने भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायत के लिए एसीबी की हैल्पलाइन 1064 एवं वॉट्सऐप नम्बर 94135-02834 के अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी सरकारी कार्यालयों में इस हैल्पलाइन की जानकारी देने वाले पोस्टर चस्पा किए जाएं तथा अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार के लिए अभियान चलाया जाए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को जन संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एसीबी हैल्पलाइन पर आय से अधिक सम्पत्ति, पद के दुरूपयोग तथा रिश्वत संबंधी कई शिकायतें प्राप्त होती हैं। भ्रष्टाचार निरोधक कानून के अंतर्गत वर्ष 2022 में अब तक 392 प्रकरण पंजीकृत किये गए हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2021 में 375 तथा वर्ष 2020 में 221 रहा। न्यायालय तथा मुख्यालय स्तर पर निस्तारित प्रकरणों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। एसीबी महानिदेशक श्री बी.एल. सोनी ने ब्यूरो की योजनाओं, कार्यप्रणाली, प्रगति, नवाचारों और उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह श्री अभय कुमार, प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री अखिल अरोड़ा, एसीबी उपमहानिरीक्षक प्रथम श्री विष्णु कांत, उपमहानिरीक्षक तृतीय श्री कालूराम रावत, एसपी मुख्यालय श्री योगेश दाधीच व ब्यूरो के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आवश्यकता

हिलव्यू समाचार में मार्केटिंग हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता। अनुभव एवं योग्यता को प्राथमिकता। अपना सीवी वॉट्सऐप करें या संपर्क करें - 7976561127

कॉल करें- सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **ब्यूरो चीफ कोटा:** असलम रोमी मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)